आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 17 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 71

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

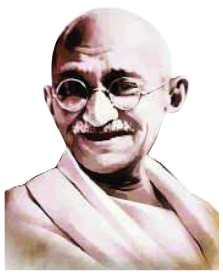

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

मैच में रहेंगे पुलिस के हाई टेक इंतजाम

पेज-2

फिल्म 'मर्दानी 3' पुलिस फोर्स को समर्पित

पेज-5

शिवाजी मार्केट कॉम्प्लेक्स चढ़ेगा मेट्रो स्टेशन की भेंट

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- कबड्डी प्रमोटर राणा बालचोरिया हत्याकांड : मोहाली पुलिस मुठभेड़ में मुख्य शूटर ढेर
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) वंदे भारत ट्रेन का करेंगे शुभारंभ
- '10 करोड़ दो वरना मिट्टी में मिला देंगे', सिंगर बी प्राक को जान से मारने की धमकी
- तमिलनाडु के ष्टरूएमके स्टालिन मदुरै के अलंगनल्लूर में विश्व प्रसिद्ध जल्लीकट्टू में शामिल होंगे
- ट्रंप ने नील के पानी बंटवारे को लेकर मिस्र-इथियोपिया के बीच फिर से मध्यस्थता शुरू करने की पेशकश की
- ईरान में अब तक करीब 3,090 प्रदर्शनकारियों को मारा गया : एक्टिविस्ट्स का दावा
- तीन जनवरी को अमेरिकी हमले में वेनेजुएला के 47 सैनिक मारे गए
- गोवा नाइटक्लब आग मामला : अंजुना पुलिस ने पंचायत सचिव को किया गिरफ्तार
- बल्लारी हिंसा : बीजेपी का आज बड़ा प्रदर्शन, विधायक जनार्दन रेड्डी बोले- पचास हजार लोग आएंगे
- दिल्ली में कड़ाके की ठंड का कहर, शीतलहर ने राजधानी को जकड़ा

भागीरथपुरा का साईड इफेक्ट

गिल लाए अपने साथ वॉटर प्यूरीफायर मशीन!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलने के लिए टीम इंडिया इंदौर पहुंच चुकी है। कप्तान शुभमन गिल अपने साथ करीब तीन लाख रुपए की एक विशेष वॉटर प्यूरीफिकेशन मशीन लेकर इंदौर आए हैं। होटल से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह मशीन आरओ और पैक्ड बोतलबंद पानी को भी दोबारा पूरी तरह शुद्ध करने में सक्षम है। शुभमन गिल ने इस मशीन को अपने कमरे में ही रखवाया है। होटल स्टाफ को भी इसके इस्तेमाल और तकनीक से जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, यह साफ नहीं हो पाया है कि गिल ने यह कदम इंदौर में हाल ही में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को देखते हुए एहतियात के तौर पर उठाया है या इसके पीछे कोई और वजह है। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी के कारण अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा। फिलहाल दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीत लिया है और सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। शेफ हर खिलाड़ी की जरूरत के अनुसार भोजन तैयार कर रहा है। शुक्रवार को भारतीय टीम ने आराम किया,

जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने प्रैक्टिस की। शनिवार को टीम इंडिया भी अभ्यास करेगी। विराट की डाइट में हरी ग्रिल्ड सब्जियां, स्प्राउट्स और सूप शेफ हर खिलाड़ी की डाइट के हिसाब से भोजन बनाता है। शुक्रवार को भारतीय खिलाड़ियों ने रेस्ट किया, न्यूजीलैंड ने प्रैक्टिस की। शनिवार को भारतीय टीम भी प्रैक्टिस करेगी। एमपीसीए को फीस के रूप में ही मिलेंगे डेढ़ करोड़ रुपए होलकर स्टेडियम में वनडे इंटरनेशनल मैच की मेजबानी के लिए एमपीसीए को बीसीसीआई करीब 1.5 करोड़ फीस देता है। इसके अलावा टिकट बिक्री, कॉर्पोरेट बॉक्स, स्पॉन्सरशिप, स्टेडियम में ब्रांडिंग और विज्ञापन से भी आय होती है। यही फंड बाद में संभागीय क्रिकेट की गतिविधियों, ग्राउंड मेंटेनेंस, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण आदि पर खर्च किया जाता है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच इंदौर में खेले जाने वाले मैच से पहले भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और कुलदीप यादव उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। दोनों ने त्रिपुण्ड लगवाया। इसके बाद भस्म आरती में शामिल हुए।

हेमंत का नवाचार : कार्यकर्ताओं की समस्याएं के लिए सहयोग सेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● 22 साल से एमपी की सत्ता में काबिज बीजेपी अब अपने कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने के लिए एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश कार्यालय में सहयोग सेल की व्यवस्था शुरू की है।

हेमंत खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद भी प्रदेश कार्यालय में नेताओं कार्यकर्ताओं की भीड़ लग रही थी। इनमें कई ऐसे कार्यकर्ता भी भोपाल आ रहे थे जिनकी समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर ही हो सकता है। प्रदेश स्तर पर लगने वाली भीड़ को कम करने और कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए खंडेलवाल के निर्देश पर सहयोग सेल बनाने की शुरुआत की गई है। इस सहयोग सेल में प्रदेश संयोजक और जिला संयोजक नियुक्त किए जाएंगे। सहयोग सेल में रिटायर्ड आईएएस अफसर भी शामिल करने पर विचार चल रहा है।

ऐसे काम करेगी सहयोग सेल- जिला कार्यालय में आने वाली समस्याएं यदि प्रशासनिक हैं तो उन्हें जिला प्रशासन और संबंधित विभागों में भेजकर समाधान कराया जाएगा। यदि किसी कार्यकर्ता की समस्या पार्टी संगठन से संबंधित है तो जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी उसका समाधान कराएंगे। जिन मामलों का निराकरण जिला स्तर पर नहीं हो पा रहा है तो ऐसे मामलों को प्रदेश कार्यालय की सहयोग सेल के पास भेजा जाएगा। इनमें प्रशासनिक समस्याएं और संगठन दोनों तरह के मामलों का निराकरण किया जाएगा।

प्रदेश कार्यालय में रोज बैठ दो घंटे बैठ रहे मंत्री-बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मप्र सरकार के मंत्रियों के प्रदेश कार्यालय में बैठने का रोस्टर बनाया है। इस व्यवस्था में सोमवार से शुक्रवार तक एक मंत्री दोपहर एक बजे से तीन बजे तक प्रदेश कार्यालय में बैठकर कार्यकर्ताओं से संवाद करके उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। अब सहयोग सेल के जरिए आने वाले मामलों को सुलझाने के लिए संबंधित विभागों के मंत्रियों और प्रदेश पदाधिकारियों की जवाबदारी तय की जाएगी।

जिला कार्यालयों में पदाधिकारियों के बैठने के दिन तय

खंडेलवाल के निर्देश पर भाजपा के जिला पदाधिकारियों के जिला कार्यालय में बैठने के दिन तय किए जा रहे हैं। जिला अध्यक्ष के लिए भी दिन तय किया जा रहा है कि जिला अध्यक्ष से लेकर कौन से जिला पदाधिकारी किस दिन कार्यालय में बैठकर आम लोगों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनेंगे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं से चर्चा करते पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल और पंचायत राज्यमंत्री राधा सिंह।

राज्यसभा की सीट : 'एक अनार सौ बीमार', वरिष्ठों की नजर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने ऐलान किया है कि वो तीसरी बार राज्यसभा नहीं जाएंगे। उन्होंने अपनी सीट खाली करने का फैसला किया है। ताकि किसी नए चेहरे को मौका मिल सके। दिग्विजय सिंह के राज्यसभा सीट छोड़ने के ऐलान के बाद अब मप्र कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। मगर, दिग्विजय ठहरे खाटी कांग्रेसी नेता, उन्होंने सीट छोड़ने की तो बात की लेकिन एक ऐसा बयान दे दिया जिससे पार्टी में इस एक राज्यसभा सीट पर लड़ाई एसटी-एससी वर्ग के लिए आन पड़ी हैं। दरअसल, हाल ही में दिग्विजय सिंह ने मप्र कांग्रेस सरकार बनने पर आदिवासी या एससी मुख्यमंत्री बनाए जाने के सवाल पर कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति का मुख्यमंत्री बनता है तो मुझे प्रसन्नता होगी। दिग्विजय सिंह ने जैसे ही दो दिन में दो बड़े बयान दिए, कांग्रेस नेताओं की जैसी लॉटरी निकल पड़ी। सबसे पहले राज्यसभा सीट पर कांग्रेस का अनुसूचित विभाग एक्टिव हुआ।

कांग्रेस में तीन नाम पर चर्चा तेज

दिग्विजय सिंह के राज्यसभा सीट छोड़ने के बाद अब इस बात पर घमासान मचा हुआ है कि ये सीट किसी खाते में जाएगी। इस रेस में तीन नाम सबसे आगे हैं। इस दौड़ में सबसे पहला नाम कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ का है। कमलनाथ फिलहाल छिंदवाड़ा जिले से विधायक हैं। वो केंद्र की सियासत में सक्रिय रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर राज्यसभा सीट के सहारे वो केंद्र की राजनीति में फिर से एंट्री ले सकते हैं। वहीं अरुण यादव ओबीसी नेता हैं। लंबे वक्त से संघर्ष कर रहे हैं। पिछली दफा उनके नाम पर चर्चा हुई, लेकिन उनकी जगह अशोक सिंह को भेज दिया गया। अरुण यादव मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इस बार वो अपनी दावेदारी जरूर करेंगे। वहीं जीतू पटवारी फिलहाल कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। विधानसभा चुनाव हार चुके हैं लेकिन मेहनती नेता माने जाते हैं। इस बीच अगर उन्हें राज्यसभा में जाने का मौका मिलता है तो उनकी प्रोफाइल को और भी मजबूती मिलेगी। जब प्रदेश अध्यक्ष सांसद या कम से कम विधायक हो तो उसका एक अलग प्रभाव पड़ता है। जीतू पटवारी राहुल गांधी की पसंद हैं। लिहाजा वो भी प्रयासरत होंगे कि ये सीट उन्हें मिलें। इनके अलावा राज्यसभा की दौड़ में पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नाम भी चर्चा में है। इसके अलावा पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल और सज्जन सिंह वर्मा भी राज्यसभा सांसद के लिए दावेदारी कर रहे हैं। सज्जन वर्मा के समर्थक सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रहे हैं। इन सभी नेताओं के समर्थक अपने-अपने स्तर पर पार्टी हाईकमान तक संदेश पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। नरेला विधानसभा सीट से विधानसभा प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह चौहान ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुद की राज्यसभा के लिए दावेदारी जताई है।

कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी आज इंदौर में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को इंदौर दौरे पर रहेंगे। वे यहां दूषित जल से प्रभावित इलाकों में जाएंगे। 5 माह के अव्यान के परिजन के साथ और भी पीड़ित परिवारों से संस्कार गार्डन में मुलाकात करेंगे।

इलाके में संकरी गलियों के कारण काफिला पीड़ित परिवारों के घर तक नहीं जा सकेगा, इसलिए गली के कोने से पैदल चलकर पीड़ित परिवार तक पहुंचेंगे। शुक्रवार रात को एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों की एक बैठक हुई। जिसमें सुरक्षा कारणों के

चलते राहुल गांधी के भागीरथपुरा में जाने के लिए मनाही की गई है।

तय किया गया है कि राहुल भागीरथपुरा पानी की टंकी के पास ही मृतकों के परिजन और पीड़ितों से मिलेंगे। मुलाकात का समय दोपहर 12.45 से 1.45 तक रहेगा। इसके बाद यहीं पर राहुल मीडिया से बात करेंगे। इससे पहले एयरपोर्ट पर ही प्रदेश कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन भी होगा। यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित कई बड़े नेता भी साथ में होंगे। शुक्रवार को प्रदेश संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले बता चुके हैं कि प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण बैठक को रद्द करना पड़ा है।

प्रियंका गांधी ने किया ट्विट

नेता विपक्ष राहुल गांधी आज इंदौर में दूषित जल से पीड़ित मरीजों और प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे। वे दिल्ली से इंदौर के लिए रवाना हो चुके हैं। सुबह 10.10 मिनट पर प्रियंका गांधी ने किया ट्विट

एआरओ मयूर पाटील और बिल कलेक्टर चेतन जोशी फिर राजस्व विभाग में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मई 2025 में लोक अदालत के दौरान कर राशियों में गड़बड़ी करने वाले और दो-दो रसीद जारी करने वाले 23 राजस्व विभाग के कर्मचारियों को तत्कालीन निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने 6 मई 2025 को निलंबित कर दिया था। इन सभी कर्मचारियों को एक-एक कर बहाल कर दिया गया है। निगम आयुक्त की मंशा के अनुसार इनमें से 21 कर्मचारियों को बहाली के बाद निगम के अन्य विभागों में भेजा गया। लेकिन सिर्फ दो कर्मचारियों को विभाग की विशेष कृपा प्राप्त हुई और उन्हें फिर राजस्व विभाग मुख्यालय में पदस्थ किया गया है। इनमें से एक हैं झोंन 12 के एआरओ मयूर पाटील, दूसरे हैं इसी झोंन के बिल कलेक्टर चेतन जोशी।

- झोंन12 में ज्यादा संपत्तिकर वसूल कर कम की रसीद देने के मामले में हुए थे निलंबित
- गड़बड़ी करने वाले 23 निलंबित कर्मचारियों में से बहाली के बाद 21 को अन्य विभागों में भेजा
- सिर्फ 2 पर विभाग की विशेष कृपा

जिन्हें कोयला बाखल में पांच दुकानों का संपत्ति कर और कचरा शुल्क 1 लाख 70 हजार, वसूलकर सिर्फ 91000 की संपत्ति का रसीद देने के साथ ही अन्य कई करदाताओं से भी ज्यादा राशि वसूल कर कम राशि की रसीद देने के मामले में निलंबित किया गया था।

अच्छी खबर अधिकारी, कर्मचारियों को इसी माह मिल सकती है खुशखबरी

दस साल बाद खुल सकती है प्रदेश के लाखों कर्मियों की पदोन्नति की राह

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● पिछले दस साल से प्रतीक्षारत सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए मौजूदा माह में अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है। पिछले दस साल से जिस प्रमोशन के लिए शासकीय सेवक इंतजार कर रहे हैं, इसी सप्ताह इस पर मप्र उच्चतम न्यायलय अपना फैसला दे सकता है। प्रमोशन में आरक्षण को लेकर 13 जनवरी को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई थी, लेकिन चीफ जस्टिस विविन सचदेवा की व्यस्तता के कारण सुनवाई नहीं हो पाई। अब न्यायालय में प्रमोशन में रिजर्वेशन के विषय पर

सुनवाई 20 जनवरी को होना है। जानकारी है कि इसमें सपाक्स, अजाक्स और सरकार के महाधिवक्ता का पक्ष सुनकर हाईकोर्ट अपना निर्णय दे सकता है। पिछले दस साल से प्रतिबंध होने के कारण अभी तक अधिकारी और कर्मचारियों के रिटायरमेंट का आंकड़ा करीब एक लाख तक पहुंच गया है। प्रतिमाह शासकीय सेवकों की सेवानिवृत्ति का क्रम बरकार है। लगातार प्रदेश में कर्मचारियों द्वारा मांग उठाई जा रही है कि प्रमोशन के रास्ते तत्काल खोले जाने चाहिए। साल 2016 से प्रमोशन पर प्रतिबंध लगा है। तब से स्थति यह है कि कर्मचारी अधिकारी जिस पद पर काम कर रहा है। उसी पद पर रहते हुए वह रिटायरमेंट ले रहा है।

2016 से ही मिलना चाहिए प्रमोशन-इस समय प्रदेश भर के सरकारी सेवकों की निगाहें मप्र हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई पर टिकी है। कर्मचारी प्रमोशन मिलना चाहिए। हाल में संघों की मांग है कि वर्ष 2016 से ही सरकार ने जो नया नियम बनाया था।

हर माह पदोन्नतियां नहीं मिलने का दर्द

विभागों में राज्य से लेकर ब्लाक और गांव स्तर तक सरकारी सेवकों की 31 दिसंबर को सेवानिवत्ति होती है। इस दौरान होने वाले समारोहों में निरंतर प्रमोशन न मिलने की पीड़ा बताई जा रही है। कर्मचारियों के अलावा उनके परिवार भी कहते हैं कि यह हमेशा कुंठा रहेगी कि जिस पद पर काम किया। उसी पर रिटायर्ड हुए। उच्च पदों पर जाने का मौका नही मिल पाया है।

न्यूज ब्रीफ

सरजू पारी महिला समिति द्वारा हल्दी कुंकू का आयोजन पितृ पर्वत पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सरजू भारी महिला समिति रश्मि तिवारी सरिता दुबे संपदा मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष में हल्दी कंकु का कार्यक्रम पितृ पर्वत पर 18 जनवरी रविवार प्रात: 10:00 से परिवारजन एकत्रित होगी। जहां पर समाज के सभी महिलाएं परिवार सहित हल्दी काकू का कार्यक्रम करेंगे साथ ही सितोलिया और लंगडी ,पतंग का आनंद लेते हुए मकर संक्रांति पर्व पर सभी परिवारजनों की सुख समृद्धि की कामना भी भगवान श्री हनुमान जी महाराज जी के समक्ष करेंगे। सरजू पारी के अध्यक्ष निर्मल पंकज पांडे ने बताया कि उक्त अवसर पर समाज का आई और व्यय का विवरण भी तथा आई पुस्तिका का विमोचन भी किया जाएगा।

2027 तक काम का भविष्य मानव प्लस एआई से होगा तय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आज नैसकॉम और इनडीड ने अपनी वार्षिक फ्यूचर ऑफ वर्क रिपोर्ट 2025, ''वर्क रिइमेजींड: द राईज़ ऑफ ह्यूमन - एआई कोलोबोरेशन'' जारी की। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि संगठन किस प्रकार अपने दैनिक कामों में ए.आई का उपयोग कर रहे हैं। नियोक्ताओं और नौकरी के इच्छुकों के लिए ए.आई क्या मायने रखती है, जब कार्य क्रियान्वयन से नतीजों में परिवर्तित हो रहा है।

टेक्नो ने लॉन्च किया स्पार्क गो 3 स्मार्टफोन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हर दिन एक जैसा नहीं होता। इसी सच्चाई को ध्यान में रखते हुए टेक्नो ने आज स्पार्क गो 3 स्मार्टफोन लॉन्च किया है। यह फोन भारत के उन छात्रों, युवाओं और कामकाजी लोगों के लिए बनाया गया है जो हमेशा चलते-फिरते रहते हैं और एक भरोसेमंद, मजबूत और अच्छी कनेक्टिविटी वाला स्मार्टफोन चाहते हैं। देश जैसा दमदार सोच पर आधारित टेक्नो स्पार्क गो 3 उन लोगों के लिए है जो एक ऐसा फोन चाहते हैं जो देखने में आकर्षक हो और रोज़मर्रा की अनिश्चित परिस्थितियों को आसानी से संभाल सके।

चीनी मांझे पर हाई कोर्ट नाराज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चीनी मांझे से हो रही मौतों और हादसों को लेकर हाई कोर्ट की डिविजन बेंच ने राज्य सरकार पर सख्त नाराजगी जताई है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मीडिया में कार्रवाई की खबरें जरूर आती हैं, लेकिन जमीनी हालात नहीं बदले। अदालत ने टिप्पणी की कि चीनी मांझे से घायल और मरने वालों की तस्वीरें देखकर दिल खून के आंसू रोता है। यह टिप्पणी जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने चीनी मांझे के अवैध निर्माण, बिक्री और उपयोग से जुड़ी स्वत: संज्ञान जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान की।

जनजातीय संस्कृति का उत्सव बनेगा 'जात्रा-2026', इंदौर में तीन दिन सजेगा परंपरा और पहचान का रंगीन संसार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जनजातीय संस्कृति किसी समुदाय की सिर्फ पहचान नहीं, बल्कि उसकी स्मृतियों, जीवनशैली और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं की जीवंत अभिव्यक्ति होती है। इसी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसे नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से 'जात्रा-2026' का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय महोत्सव 20 से 22 फरवरी 2026 तक देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के ऐतिहासिक गांधी हॉल परिसर में आयोजित होगा। जनजातीय सामाजिक सेवा समिति के तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन जनजातीय समाज की परंपराओं, लोककलाओं और सांस्कृतिक जीवनशैली को एक सशक्त मंच प्रदान करेगा।

आयोजन की जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष देवकीनंदन तिवारी और कोषाध्यक्ष गिरीश चव्हाण ने बताया कि 'जात्रा-2026' का उद्देश्य प्रदेश के जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने के साथ-साथ उसे व्यापक समाज से जोड़ना है। इस आयोजन के माध्यम से जनजातीय समाज की परंपरागत जीवनशैली, खान-पान, लोकनृत्य, हस्तशिल्प और कलात्मक अभिव्यक्तियों को एक समेकित रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। जनजातीय वर्ग के प्रमुख पर्व भगोरिया से ठीक एक सप्ताह पूर्व आयोजित हो रहा यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि इंदौर सहित पूरे संभाग में उत्सव, सहभागिता और सांस्कृतिक संवाद का सकारात्मक वातावरण भी निर्मित करेगा। इस भव्य आयोजन में देश की प्रतिष्ठित पब्लिक रिलेशन्स कंपनी पीआर 24×7 मीडिया पार्टनर के रूप में सहभागी है।

प्रदेश की लोक परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में संस्कृति विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग के अंतर्गत संचालित जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी इस क्षेत्र में अहम् भूमिका निभा रही है। 'जात्रा-2026' भी इसी सांस्कृतिक अभियान की कड़ी है, जो जनजातीय लोककला, बोली, परंपरा और पहचान के संरक्षण एवं संवर्धन को समर्पित है।

तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में दर्शकों को जनजातीय जीवन की विविध झलकियाँ एक ही परिसर में देखने को मिलेंगी। पारंपरिक रंगों, सुरों और स्वादों से सजा यह आयोजन जनजातीय समाज की आत्मा से साक्षात्कार कराने का माध्यम बनेगा।

'जात्रा-2026' के प्रमुख आकर्षण होंगे

- जनजातीय कलाकारों द्वारा कला एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी
- जनजातीय समाज के पारंपरिक व्यंजनों के विशेष स्टॉल
- विभिन्न अंचलों के जनजातीय नृत्य और लोक प्रस्तुतियाँ
- जनजातीय जीवन और परंपरा को दर्शाती 'पिथोरा' आर्ट गैलरी
- जनजातीय पर्व भगौरिया पर आधारित फोटो प्रदर्शनी
- जनजातीय साहित्य और लोक कथाओं का प्रदर्शन
- कुल मिलाकर 'जात्रा-2026' न सिर्फ एक सांस्कृतिक आयोजन होगा, बल्कि यह जनजातीय समाज की विरासत, पहचान और आत्मसम्मान का उत्सव बनकर उभरेगा।

बहुरंगीय 'मिलन' पत्रिका खजराना गणेश दरबार में विमोचन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्षत्रिय मराठा सोश्यल ग्रुप विगत 24 वर्षों से निरन्तर अखिल भारतीय स्तर पर विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिचय सम्मेलन का आयोजन करता चला आ रहा है। इस वर्ष रजत जयन्ती परिचय सम्मेलन 17 एवम 18 जनवरी को गाँधी हॉल प्रांगण में हो रहा है। विभिन्न प्रतिभाओ का सम्मान समारोह का आयोजन 18 जनवरी को दोपहर 3 बजे होगा। अभी तक सौ से अधिक प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों का सम्मान किया जा चुका है। पिछले 24 वर्षों में 20 हजार से अधिक प्रत्याशियों ने हमारे कार्यक्रम में भाग लेकर अपने जीवन साथी का चयन किया । क्षत्रिय मराठा सोश्यल ग्रुप भारत ही नहीं अपितु अंतर्राष्टीय स्तर पर अपना नाम स्थापित किया है। पिछले कई वर्षों से इस निःशुल्क आयोजन को समाज को एकसूत्र में बांधने की जो परंपरा सन 2000 में कल्पना कर साकार की वह आज तक निरंतर जारी है । ग्रुप का लक्ष्य एकमात्र है की समाज को संगठित एवं एकसूत्र में बांधकर रखा जाये इसलिए हमारे द्वारा प्रयास किया जाता है कि यह मिलन समारोह निरंतर जारी रहे।

समाज के सभी अभिभावकगण एवं समाजसेवियों से अनुरोध है कि वे सहपरिवार

कार्यक्रम में अपनी सहभागिता देवें अभी तक सोशल ग्रुप को 750 से अधिक उच्च शिक्षित एवं उच्च आय वर्ग की प्रविष्ठियां प्राप्त हो चुकी है। इस अवसर पर बहुरंगीय ''मिलन'' पत्रिका का भी प्रकाशन किया गया है।बहुरंगीय ''मिलन'' पत्रिका श्री खजराना गणेश जी दरबार में विमोचन किया गया। इस वर्ष परिचय सत्र प्रारंभ होने के पूर्व हमारे आराध्य देव खजराना गणेशजी के समक्ष पूजन कर भावी प्रत्याशियों के उज्जवल भविष्य की मनोकामना की गई।

मैच में रहेंगे पुलिस के हाई टेक इंतजाम

स्टेडियम में डेढ़ हजार से ज्यादा का अतिरिक्त बल रहेगा तैनात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत-न्यूजीलैंड मैच को लेकर पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। इसके चलते स्टेडियम के अंदर और बाहर 15 सौ से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। वहीं ड्रोन स्क्वाड भी कड़ी नजर रखेगा। स्टेडियम के आसपास पतंगबाजी और ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। रविवार को होलकर स्टेडियम में भारत-न्यूजीलैंड के बीच एक दिवसीय फायनल क्रिकेट मैच होना है। इसके लिए दोनों ही टीमें इंदौर पहुंच चुकी है और प्रैक्टिस भी कर रही हैं।

टीम की सुरक्षा के लिए होटल के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। मैच के चलते 15 सौ से अधिक पुलिसकर्मी स्टेडियम के अंदर और बाहर तैनात रहेंगें। इसके लिए चार सेक्टरों में सुरक्षा व्यवस्था को बांटा गया है। एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखने के साथ ही स्टेडियम के आसपास बनी हाईराइज बिल्डिंग में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे इसके अलावा एंटी ड्रोन स्कवाड भी पैनी नजर रखेगा।

ड्रोन या पतंग उड़ाना प्रतिबंधित

स्टेडियम क्षेत्र में किसी भी प्रकार का ड्रोन उड़ाना या पतंगबाजी करना प्रतिबंधित रहेगा। यदि कोई ऐसा करते पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एडीसीपी दंडोतिया का कहना है कि स्टेडियम के पांच किलोमीटर के दायरे में क्राइम ब्रांच के अधिकारी और जवान सादी वर्दी में तैनात रहेंगे। इसके अलावा यदि कोई टिकट ब्लैक करते हुए पकड़ा जाता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच मैच संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए पूरी तैयारियां कर ली गई हैं।

9 उद्योगपतियों का फूटा आक्रोश, दोनों विदेशी कंपनियों का विरोध

उच्चदाब उपभोक्ताओं पर पॉवर क्वालिटी मीटर की अनिवार्यता का थोपा नया फरमान

संगठन ने ज्ञापन सौंपकर पावर क्वालिटी मीटर स्थगित करने की मांग रखी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा शुक्रवार को उच्चदाब उपभोक्ताओं के लिए नियामक आयोग द्वारा अनिवार्य किए गए पॉवर क्वालिटी मीटर संबंधित जिज्ञासाओं एवं तकनीकी पहलुओं एवं जागरूकता पर चर्चा के लिए बैठक आमंत्रित की गई थी।

उद्योगपतियों ने एसो. ऑफ इंडस्ट्रीज मप्र के बैनर तले इस मीटर की अनिवार्यता, मीटर की कीमत व कई अन्य तकनीकी

बातों को लेकर अपना पक्ष रखते हुए इस मीटर को लागू करने का भारी विरोध किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश मेहता ने अधिकारियों से कहा कि इस मीटर की 5 लाख रु. से अधिक की कीमत एवं अन्य खर्च इतने अधिक हैं कि भी छोटे उद्योग इस वित्तीय भार को वहन नहीं कर सकते हैं। दूसरा मीटर का खरीद खर्च, स्थापना व रखरखाव की व्यवस्थाएं उद्योगों के लिए आर्थिक बोझ डालने वाला होगा। उन्होंने आपत्ति भी दर्ज कराई कि आयोग ने जिन दो कंपनियों को मीटर के लिए अधिकृत किया है वे दोनों विदेशी कंपनियां हैं, जो आत्मनिर्भर भारत व प्रधानमंत्री के स्वदेशी को बढ़ावा देने की मंशा के खिलाफ है। एसोसिएशन ने बिजली अधिकारियों से कहा कि मीटर लगवाने के पूर्व कंपनी औद्योगिक क्षेत्रों में आवश्यक सुधार कार्य करें, लाइन लॉस को नियंत्रित करें, बार-बार आ रही ट्रिपिंग से निजात दिलावे और उद्योगों की वर्तमान समस्याओं का समाधान करें। एसोसिएशन अध्यक्ष योगेश मेहता एवं सचिव तरूण व्यास ने बिजली अधिकारियों के यह बात भी रखी कि इस मीटर से डेटा गोपनीयता, सुरक्षा, रखरखाव व विश्वसनीयता का भी संदेह है। अत: द्व ऐसे मीटर लगाने की बाध्यता 2500 केव्हीए के उपर के उपभोक्ताओं के लिए लागू की जाए। इस बारे में रोलिंग मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश मित्तल ने पंजाब विद्युत कंपनी का सर्कुलर प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जब तक पूर्ण स्पष्टता नही होगी कोई भी उच्चदाब उपभोक्ता मीटर नहीं लगायेगा।

पालकी में निकले गजासीन शनिदेव, हुआ शनि यज्ञ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● उषा नगर स्थित गजासीन शनिधाम में चल रहे तीन दिवसीय 15 वां स्थापना महोत्सव के द्वितीय दिवस धाम अधिष्ठाता महामंडलेश्वर डॉ. दादू महाराज के सानिध्य में प्रात: 8 बजे से शनि शांति यज्ञ प्रारंभ हुआ। आचार्य पं. महेंद्र दुबे द्वारा गणेश अंबिका पूजन, कलश पूजन, षोडशमात्रिका पूजन, नवग्रह मंडल पूजन, शनिदेव राम दरबार पूजन, दत्तात्रेय भगवान पूजन करवाया गया, हवन यज्ञ प्रारंभ हुआ जिसमें सभी देवताओं के लिए आहुतियां प्रदान की गई, विशेष शनि महाराज के विभिन्न मंत्रों से शनि महाराज की कृपा प्राप्ति हेतु विशेष आहुतियां श्रद्धालुओं द्वारा प्रदान की गई। वही संध्या 7 बजे से पालकी यात्रा धाम से प्रारंभ हुई जो उषा नगर क्षेत्र में भ्रमण कर पुन: मंदिर परिसर पहुंची, जहां महाआरती हुई । यात्रा में भक्त शनिदेव के जयकारों लगाते हुए, भजनों पर झूमते नाचते हुए चलते रहे। अधिक संख्या में भक्त शामिल हुए। आरती तत्पश्चात कवि सम्मेलन आयोजित हुआ।

दस महाविद्याओं का महत्व

दस महाविद्याएं शक्ति के विभिन्न स्वरूपों का प्रतिनिधित्व करती हैं

शक्ति की साधना और आत्म जागरण का माघ गुप्त नवरात्र काल 19 से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सनातन में हर वर्ष चार नवरात्र होते हैं, जिसमें दो गुप्त नवरात्र होते है। वर्ष 2026 में माघ मास के गुप्त नवरात्र 19 जनवरी से प्रारंभ हो रहे हैं। गुप्त नवरात्र दस महाविद्याओं की साधना से जुड़ा माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार गुप्त नवरात्र में देवी दुर्गा के प्रकट स्वरूपों के साथ

साथ उनके गूढ़ और रहस्यमय रूपों की उपासना का महत्व बढ़ जाता है। दस महाविद्याएं शक्ति के विभिन्न स्वरूपों का प्रतिनिधित्व करती हैं और इन्हें ज्ञान, वैराग्य, संरक्षण और मोक्ष से जोड़ा जाता है। यही कारण है कि माघ नवरात्र को साधना और आत्मिक जागरण का समय कहा गया है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार महाविद्याओं की परंपरा शक्ति उपासना की एक गहन धारा मानी जाती है। माघ नवरात्र के दौरान इन देवी स्वरूपों की साधना को विशेष फलदायी है। मान्यता है कि यह काल बाहरी आडंबर से दूर रहकर आंतरिक साधना का अवसर देता है। महाविद्याएं केवल

देवी के उप रूप नहीं, बल्कि चेतना के विभिन्न स्तरों का प्रतीक मानी जाती हैं। इसलिए इनकी उपासना संयम, अनुशासन और श्रद्धा के साथ की जाती है। माथ नवरात्र में साधक देवी शक्ति को केवल पूज्य नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में अनुभव करने का प्रयास करता है।

दस महाविद्याएं और उनके स्वरूप

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दस महाविद्याओं में काली, तारा, त्रिपुरसुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, भैरवी, भूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला का उल्लेख मिलता है। मां काली को काल और परिवर्तन की देवी माना जाता है, जबकि तारा देवी ज्ञान और करुणा का प्रतीक हैं। त्रिपुरसुंदरी सौंदर्य और संतुलन की देवी मानी जाती हैं। भुवनेश्वरी सृष्टि की विस्तारक शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। छिन्नमस्ता त्याग और आत्मबल का संदेश देती हैं। भैरवी शक्ति और अनुशासन से जुड़ी मानी जाती हैं, जबकि धूमावती वैराग्य और धैर्य का प्रतीक हैं। मां बगलामुखी को स्तंभन शक्ति और बाधा निवारण से जोड़ा जाता है। मातंगी विद्या, वाणी और रचनात्मक चेतना की देवी मानी जाती हैं। कमला देवी समृद्धि, स्थिरता और संतुलन का प्रतीक हैं। धार्मिक दृष्टि से इन दसों महाविद्याओं की साधना मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को संतुलित करने का प्रयास मानी जाती है। इन स्वरूपों की उपासना से साधक के भीतर भय, अस्थिरता और भ्रम धीरे धीरे शांत होने लगते हैं। यही कारण है कि महाविद्या साधना को आत्मिक परिपक्वता का मार्ग कहा गया है।

माघ नवरात्र का संदेश और महत्व

माघ नवरात्र और दस महाविद्याओं की उपासना का मूल उद्देश्य आत्मशुद्धि और चेतना विस्तार माना गया है। यह पर्व सिखाता है कि शक्ति केवल बाहरी संरक्षण नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन भी प्रदान करती है। इन दिनों सात्विक आहार, मौन, जप और ध्यान की विशेष महत्व दिया जाता है। माना जाता है कि बढ़ा और नियम के साथ की गई सथना से आत्मबल बढ़ता है और जीवन में स्थिरता आती है। कुल मिलाकर, माध नवरात्र में दस महाविद्याओं की उपासना शक्ति, ज्ञान और आत्मिक जागरण का गहन प्रतीक मानी जाती है।

दो अद्भुत संतों का मिलन

इंदौर ● **दैनिक इंदौर संकेत।** परम पूजनीय 1008 महामंडलेश्वर गुरुदेव श्री दादू महाराज, प्रसिद्ध कथावाचक संत पंडित प्रदीप मिश्रा।

सिंहस्थ 2028 के लिए कैलोदहाला रेलवे ओव्हर ब्रिज नींव का पत्थर साबित होगा : सिलावट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज कैलोदहाला में 32 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले कैलोदहाला-लसुडियामोरी रेलवे ओव्हर ब्रिज कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री सिलावट ने कहा कि वर्ष 2019 में सांवेरवासियों से मिले आशीर्वाद के बाद से जनवरी 2019 से आज वर्ष 2026 तक इन 7 वर्षों में सांवेर विधानसभा में लगभग 974 करोड रूपये लागत की 906 किलोमीटर की 185 सडकों की स्वीकृति करायी गई है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 17 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

श्री राम मंदिर पंचकुइया में गौमाताओ किया पूजन अर्चन

इंदौर • पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम में शुक्रवार को गौमाता का पूजन अर्चन करके महाआरती की। पंचकुइयां पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज ने बताया कि मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गौधाम में विश्व का पालन करने वाली वैदलक्षणा देशी गौमाता को छप्पन भोग अर्पण किए। महाआरती की। इस अनूठे अनुष्ठान में सैकड़ो भक्तों ने भाग लिया। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज श्री ने गौ माता का पूजन आचार्य पंडितों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच किया। आरती करके गौ सेवा की गौ माता को भोग प्रसादी खिलाई। महाआरती की गई। इस अवसर पर जानकी बल्लभ दास महाराज, अर्जुन दास महाराज, हरिनारायण गोयल, नारायण अग्रवाल, मोटू अग्रवाल, राजू मिश्रा सहित अनेक भक्त मौजूद थे।

काठमांडू में पशुपतिनाथ की साक्षी में इंदौर के 250 श्रद्धालुओं ने सुनी भागवत

इंदौर • नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में इंदौर के विमानतल मार्ग स्थित श्री श्री विद्याधाम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की प्रेरणा से भागवताचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री के श्रीमुख से काठमांडू में भागवत कथा के समापन प्रसंग पर शहर एवं मालवांचल के करीब 250 श्रद्धालुओं ने कथामृत पान तो किया ही, भगवान पशुपतिनाथ से भारत में सुख, शांति एवं सद्भाव के लिए भी प्रार्थना की। वहां पूरे आठ दिनों तक भारतीय परंपरा के अनुरूप कथा और अन्य उत्सवों का आयोजन किया गया, जिनमें वहां के भक्त भी शामिल हुए।

अग्रवाल समाज का निशुल्क परिचय सम्मेलन 28 से 30 मार्च तक गांधी हॉल में

इंदौर • समाजसेवी मिश्रीलाल गोयल की पुण्य स्मृति में श्री अग्रवाल महासभा की मेजबानी में शनिवार 28 मार्च से सोमवार 30 मार्च तक गांधी हॉल परिसर में तीन दिवसीय निःशुल्क 33वां अ.भा. युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित होगा। महासभा के समन्वयक संतोष गोयल, अध्यक्ष सतीश गोयल एवं महामंत्री अजय बंसल ने बताया कि देशभर से करीब दो हजार युवक-युवती अपने मनपसंद जीवन साथी की तलाश में इस परिचय सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन में आने वाले प्रत्याशियों के सचित्र विवरण सहित बहुरंगी परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

खेलों एमपी यूथ गेम्स पिट्ठू प्रतियोगिता 18 जनवरी से

इंदौर • खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित खेलों एमपी यूथ गेम्स के अंतर्गत पारंपरिक खेल पिट्ठू की इंदौर ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता 18 जनवरी को राऊ स्थित एमराल्ड स्कूल में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में इंदौर ब्लॉक के 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 19 जनवरी को एमराल्ड में ही आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी 21 जनवरी को आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अपना प्रदर्शन करेंगे। संभाग स्तर पर चयनित खिलाड़ी 28 से 31 जनवरी तक ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में इंदौर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सरकार बढ़ा रही लाड़ली बहनों की राशि, उन्हें रोजगार से जोड़ेंगे

भोपाल (एजेंसी) • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को माखन नगर में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक बहनों को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 32वीं किस्त मिल चुकी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जब बहनों के हाथ में पैसे आते हैं, तो वे अपने परिवार की पूरी जिम्मेदारी निभाती हैं, खुद को पीछे रखकर परिवार के भले के लिए काम करती हैं। राज्य सरकार धीरे-धीरे लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ा रही है। इसके तहत रोजगारपरक उद्योगों में काम करने वाली बहनों को 5,000 रुपये देने में भी सरकार मदद करेगी। साथ ही बहनों को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्व-सहायता समूहों से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है। राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनवरी 2026 तक लाड़ली बहना योजना के तहत 50 हजार करोड़ रुपये बहनों के खातों में ट्रांसफर किए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण समारोह को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत प्रदेश की 29 लाख पात्र बहनों को गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 90 करोड़ रुपये से अधिक की अनदान राशि टांसफर की।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं

- 42,000 हेक्टेयर क्षेत्र में बागरा-साखा होज सिंचाई परियोजना शुरू होगी।
- तवा नदी पर 122 करोड़ रुपये की लागत से नया पुल बनेगा, जिससे बाबई-सोहागपुर सीधे इटारसी से जुड़ेगा।
- नर्मदापुरम से बाबई, सोहागपुर, पिपरिया और बनखेड़ी तक सड़कों को 4 लेन किया जाएगा।
- माखन नगर में महाविद्यालय के लिए अतिरिक्त कक्षों का निर्माण होगा।
- सोहागपुर में एसडीएम भवन और माखन नगर में नया तहसील भवन बनेगा।
- माखन नगर में 154 एकड़ भूमि पर 5,000 से अधिक क्षमता वाली विशाल गौशाला बनेगी।
- माखन नगर में खेल स्टेडियम और सोहागपुर में नया महाविद्यालय भी बनाया जाएगा।

एनसीसी और एनएसएस कैडेट्स ने देशभक्ति के गीत गाते हुए किया मार्चपास्ट, इंडिया गेट पर शहीदों को पुष्पांजलि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •सामाजिक संस्था सेवा सुरभि और जिला प्रशासन, इंदौर पुलिस, नगर पालिक निगम और इंदौर विकास प्राधिकरण की सहभागिता में गुरुवार से प्रारंभ हुए 'झंडा ऊँचा रहे हमारा अभियान' के तहत शुक्रवार को सैकड़ों एनसीसी एवं एनएसएस कैडेट्स ने पार्क रोड स्थित एसजीएसआईटीएस कॉलेज परिसर से रीगल चौराहा स्थित इंडिया गेट तक मार्चपास्ट का आयोजन कर पूरे मार्ग और रीगल चौराहे को देशभक्ति के माहौल से सराबोर बनाए रखा। अन्य स्कूली छात्रों ने भी आज इंडिया गेट पहुंचकर देश के अनाम शहीदों को पुष्पांजलि समर्पित की। शनिवार को सुबह 8.30 बजे गाँधी हॉल से इंडिया गेट तक मोहम्मद शफी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदाय के हजारों स्कूली बच्चों की रैली निकाली

जाएगी।

संस्था सेवा सुरभि के संयोजक ओमप्रकाश नरेडा, संजय पटेल, मोहन अग्रवाल, निकेतन सेठी एवं मनीष ठक्कर ने बताया कि सुबह इंजीनियरिंग कॉलेज के एनसीसी और एनएसएस के कैडेट्स ने राजेंद्र जैन एवं विकास जैन के निर्देशन में लेन्टर्न चौराहे से मार्चपास्ट करते हुए जबरदस्त जोश के साथ देशभक्ति के गीत गाते हुए अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। यशवंत निवास रोड से हाई कोर्ट, एमजी रोड होते हुए ये कैडेट्स रीगल चौराहे पर स्थापित इंडिया गेट की प्रतिकृति पर पहुंचे और वहां सभी कैडेट्स ने जैन इंजीनियर सोसाइटी के तत्वावधान में अनाम शहीदों को पुष्पांजलि समर्पित की। कैडेट्स ने 'मेरा देश, मेरा मुल्क, मेरा यह वतन, शांति का, उन्नति का, प्यार का चमन, इसके वास्ते निसार है मेरा तन, मेरा मन.....' जैसे गीतों से शहीदों को श्रद्धांजलि समर्पित की।

कार चालक ने पुलिसकर्मी को टक्कर मारी, चेकिंग के दौरान बैरिकेडिंग तोड़ी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • लसूड़िया इलाके में एक कार चालक ने नशे की हालत में तेज रफ्तार कार चलाते हुए एक पुलिसकर्मी को घायल कर दिया। आरोपी ने मौके पर लगी बैरिकेडिंग तोड़ दी और फरार हो गया। घायल पुलिसकर्मी को रात में साथी जवान अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया। डीआरपी लाइन के पुलिसकर्मी रात करीब 11 बजे लसूड़िया इलाके में सत्य साईं स्कूल के पास ड्रिंक एंड ड्राइव की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान इनोवा कार का चालक तेज रफ्तार में चौराहे पर पहुंचा। पुलिस को देखकर उसने कार की रफ्तार और बढ़ा दी। बैरिकेड्स उड़ाते हुए कार आगे बढ़ गई। कार को रोकने के लिए पुलिसकर्मी रवि चंद्रवंशी बीच में आए, कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे घायल हो गए। चालक मौके से फरार हो गया।

21 से 26 जनवरी तक इंदौर-दिल्ली की दोपहर की उड़ानें रहेंगी निरस्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 21 से 26 जनवरी के बीच इंदौर से दिल्ली की यात्रा करने वाले यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। 26 जनवरी को राजधानी दिल्ली में होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के दौरान एयर शो की तैयारियों के चलते दिल्ली एयरपोर्ट कुछ घंटों के लिए बंद रहेगा।

एयर शो की तैयारी के चलते उड़ानों पर रोक

विमानतल सूत्रों के अनुसार 21 से 26 जनवरी तक दिल्ली एयरपोर्ट पर रोजाना सुबह 10.20 बजे से दोपहर 12.45 बजे तक सभी उड़ानों का संचालन बंद रहेगा। इस संबंध में नोटिस टू एयरमैन (नोटम) जारी किया गया है, जिसके तहत सभी एयरपोर्ट्स को उड़ान संचालन की जानकारी दी जाती है।

एयर इंडिया की दोपहर की उड़ान निरस्त

उड़ानों पर रोक के चलते एयर इंडिया ने अपनी दोपहर की दिल्ली उड़ान को 21 से 26 जनवरी तक निरस्त कर दिया है। यह उड़ान दिल्ली से दोपहर 12.10 बजे इंदौर आती है और 12.40 बजे वापस दिल्ली रवाना होती है। फिलहाल वापसी की उड़ान को निरस्त किया गया है, जबकि आने वाली उड़ान को भी जल्द निरस्त किए जाने की संभावना है।

अस्पताल में मरीजों को भोजन नहीं प्रसूताओं को भी नहीं मिल रहा लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • महू के शासकीय मध्य भारत अस्पताल में भर्ती मरीजों और प्रसूताओं को पिछले आठ दिनों से भोजन नहीं मिल रहा है। सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए नाश्ता, खाना और फल की व्यवस्था की जाती है, लेकिन महू में यह सुविधा ठप पड़ी है। मरीजों के परिजनों को अपने खर्चे पर भोजन का इंतजाम करना पड़ रहा है। अस्पताल के नियमों के अनुसार, प्रसूताओं को सुबह नाश्ते में दूध, ब्रेड और एक फल मिलना चाहिए। दोपहर और शाम के भोजन में दाल, रोटी, सब्जी और चावल दिए जाने का प्रावधान है। हालांकि, महू तहसील के सबसे बड़े इस शासकीय अस्पताल में मरीजों और प्रसूताओं को पिछले लगभग आठ दिनों से इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

मरीजों को नहीं मिल रही सुविधा

अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता की परिजन संतोषी परमार ने बताया कि अस्पताल की ओर से उन्हें न तो सुबह का नाश्ता मिलता है और न ही दोपहर या रात का खाना। अन्य मरीजों के परिजनों ने भी इसी तरह की शिकायत की है, उनका कहना है कि उन्हें भी भोजन या नाश्ते जैसी कोई सुविधा नहीं मिल रही है। अस्पताल में मरीजों को दूध, फल, नाश्ते और दो समय के भोजन उपलब्ध कराने का ठेका होता है। पिछले आठ दिनों से ठेकेदार द्वारा मरीजों को भोजन नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है।

श्री राम मंदिर में 303 वर्षों से चल रही गुरु गादी पर पंचकुया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर राम गोपाल दास महाराज विराजमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •श्री राम मंदिर पंचकुइया आश्रम में गुरू गादी परंपरा का लगातर निर्वाह हो रहा है और निरंतर यह परंपरा का निर्वाह होता रहेगा। ब्रह्मलीन महामण्डलेश्वर लक्ष्मणदास महाराज पाचवें श्रीमहंत के रूप मे कई सदी से चली आ रही गुरू गादी पर परंपरा का निर्वहन कर रहे थे,अब महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज छठे श्रीमंत के रूप में 303 वर्षों से चली आ रही गुरु गादी पर विराजमान होकर परंपरा का लगातार निर्वाह कर रहे हैं। वह सनातन धर्म की गुरू दीक्षा देकर शिष्यो को गुरू की महिमा के पदचिन्हों पर चलने की शिक्षा दे रहे हैं।

निशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस शिविर में 412 से ज्यादा महिलाओं और छात्राओं ने लिया लाभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •मध्य प्रदेश परिवहन शासन ने नंदानगर स्थित कनकेश्वरी देवी महाविद्यालय में निशुल्क महिलाओं और छात्राओं के लिए निशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का शिविर आयोजित किया, जिसमे 412 से ज्यादा छात्राओं और महिलाओं ने शिविर में भाग लेकर निशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया। यह शिविर विधायक रमेश मेंदोला के नेतृत्व में आयोजित किया गया। विधायक प्रतिनिधि चंद्रकांत कुंजीर, सुरजीत सिंह वालिया, करण कुंजीर ने बताया कि शिविर का शुभारंभ पूर्व एमआईसी सदस्य चंदू राव शिंदे, पार्षद सुनीता संतोष चौखंडे, आरटीओ अर्चना मिश्रा,प्राचार्य देवेंद्र सिंह राठौर सहित अन्य अतिथियों ने सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन करके किया। इस शिविर में 412 से ज्यादा महिलाएं एवं छात्राओ ने शिविर में भाग लेकर निशुल्क लाइसेंस बनवाया यह शिविर समय बुधवार सुबह 10 बजे से शुरू हुआ। इसमें आधार कार्ड की जानकारी दी गई और मोबाइल फ़ोन की सुविधा से तुरंत लाईसेंस बनाया गया।

रॉबर्ट नर्सिंग होम में 3 दिवसीय निःशुल्क मेडिकल कैंप अमेरिका के विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे परीक्षण और उपचार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •रोटरी क्लब ऑफ इंदौर द्वारा रॉबर्ट नर्सिंग होम में 17 से 19 जनवरी तक निःशुल्क सुपर स्पेशलिटी मेडिकल कैंप का आयोजन किया जायेगा। रेसिडेंसी एरिया में एग्रीकल्चर कालेज के पास स्थित रॉबर्ट नर्सिंग होम के कैंप में हृदय रोग, डायबिटीज, छाती और फेफड़े, स्त्री रोग, हड्डी रोग, शिशु रोग, शल्य चिकित्सा, गर्भाशय कैंसर, स्तन कैंसर, सामान्य रोग परीक्षण आदि बीमारियों की जांच की जायेगी। उक्त कैंप में परीक्षण और उपचार के लिये अमेरिका स्थित ओहायों क्षेत्र के विशेषज्ञ डाक्टर्स आयेंगे। तीन दिवसीय कैंप का समय रोजाना प्रात: 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। उक्त आयोजन रोटरी मेडिकल यात्रा 2026 के तहत किया जा रहा है। कैंप में शामिल होने के लिये पंजीयन कराना होगा। अधिक जानकारी के लिये रॉबर्ट नर्सिंग होम में जाकर संपर्क किया जा सकता है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

स्वच्छ ईंधन की चेतावनी, निवेश नहीं बढ़ा तो जलवायु संकट और गहराएगा

जलवायु संकट के बीच स्वच्छ ईंधन की जरूरत बढ़ी है, लेकिन निवेश और क्रियान्वयन बेहद धीमा है। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट भविष्य के गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। जीवाश्म ईंधन के अंधाधुंध इस्तेमाल से बढ़ते जलवायु संकट के बीच पूरी दुनिया में स्वच्छ ईंधन की जरूरत महसूस की जाने लगी है। मगर इस दिशा में प्रयास बहुत कम हो रहे हैं। स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर योजनाएं तो बन रही हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन की गति बेहद धीमी है, जबकि जीवाश्म ईंधन पर अब भी ज्यादा जोर दिया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर वैश्विक स्तर पर चिंता तो है, लेकिन इससे निपटने के उपायों पर गंभीरता से काम नहीं हो पा रहा है। विश्व आर्थिक मंच की ओर से हाल में जारी एक रपट में भी इसका उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि स्वच्छ ईंधन से जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक निवेश को चार गुना बढ़ा कर सालाना सौ अरब डालर करने की आवश्यकता है। जाहिर है कि अगर इस तरह की चेतावनियों और सुझावों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो भविष्य में इसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। गौरतलब है कि दुनिया भर में इस समय स्वच्छ ईंधन पर सालाना करीब पच्चीस अरब डालर ही निवेश हो रहा है। दरअसल, स्वच्छ ईंधन को लेकर दावे तो बहुत किए जाते हैं, लेकिन इससे संबंधित योजनाओं की लागत अधिक होने से कई देश पीछे हट जाते हैं। वहीं सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन कर रहे विकसित देश खुद इसमें कटौती करने के बजाय छोटे और विकासशील देश पर नाहक दबाव बनाते रहे हैं। ऐसे में स्वच्छ ईंधन को साझा प्रयासों से प्रोत्साहित करने का वैश्विक लक्ष्य कहीं पीछे छूट जाता है। इसमें दोराय नहीं कि जलवायु संकट से निपटने की दिशा में स्वच्छ ईंधन अहम भूमिका निभा सकता है। इसके इस्तेमाल से उद्योगों और परिवहन क्षेत्र में बढ़ते उत्सर्जन को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। लिहाजा स्वच्छ ईंधन के इस्तेमाल के लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए न केवल भरोसेमंद और निवेश-योग्य परियोजनाएं बनानी होंगी, बल्कि उन्हें सख्ती से लागू भी करना होगा। जीवाश्म ईंधन के निरंतर इस्तेमाल से पूरी दुनिया में वायु प्रदूषण की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। इस संकट से बचने के लिए स्वच्छ ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा ही बेहतर विकल्प है।

क्या ममता पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है और राष्ट्रपति शासन की आशंका बनी हुई है?

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही में ममता बनर्जी सरकार की कथित दखलंदाजी यदि अदालत में सिद्ध होती है, तो यह तृणमूल कांग्रेस सरकार के लिए गंभीर संवैधानिक संकट खड़ा कर सकती है। क्योंकि मुख्यमंत्री होने के नाते गिरफ्तारी से कोई संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिलती और अगर श्रेष्ठ साबित कर दे कि फाइल्स जांच से जुड़ी हैं, तो ममता पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी। वी। आनंद बोस इस विषय को पहले ही संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में चिन्हित कर चुके हैं। उनका यह कहना कि 'वे चुप नहीं बैठ सकते', संकेत देता है कि राजभवन इस पूरे घटनाक्रम को केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रश्न मान रहा है। संविधान के तहत राज्यपाल केंद्र का प्रतिनिधि होता है और उसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन का आधार बन सकती है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से केवल सत्ता परिवर्तन या चुनावी संघर्ष की कहानी नहीं रही है। 2011 में ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद राज्य की राजनीति एक ऐसे दौर में दाखलि हुई, जहां राज्य सरकार, राज्यपाल, न्यायपालिका और केंद्र सभी के बीच संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहे। इसी कारण ममता बनर्जी के शासनकाल में कई बार ऐसा माहौल बना जब यह प्रश्न राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना कि क्या पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? हालांकि अब तक यह आशंका कभी वास्तविकता में नहीं बदली, लेकिन इसके पीछे की परिस्थितियां और टकराव बंगाल की समकालीन राजनीति को समझने के लिए अहम हैं।

फ़िलहाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक सलाहकार आई-पैक के कोलकाता कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे की कड़ी निंदा की। ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख और तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारकर उनकी पार्टी के आंतरिक डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रही है। जब ईडी ने कार्यालय पर छापा मारा तो ममता नाराज हो गईं। यह संभवत: पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने ईडी के छापे के विरोध में व्यक्तिगत रूप से किसी सलाहकार निकाय के कार्यालय का

दौरा किया है। पार्टी के सांसदों ने दिल्ली में भी विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों को इन आरोपों के खिलाफ विरोध करने का अधिकार होना चाहिए कि जांच तंत्र निष्पक्ष नहीं है; ईडी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भी नोटिस जारी किया था, जिन्होंने उन्हें बिना किसी आक्रामकता के ईडी कार्यालय में आने की चुनौती दी थी।रॉबर्ट वाड्रा से ईडी कई बार पूछताछ कर चुकी है। उन्हें घंटों बैठाया गया; लेकिन उनमें से किसी ने भी आक्रामक तरीके से काम नहीं किया। इस पृष्ठभूमि में, यह ममता ही हैं जो सत्ता में होने के बाद भी मार्च निकालती हैं, जिसे तात्कालिकता की राजनीति कहा जाता है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि कांग्रेस पिछले पचास वर्षों में पहले की तरह सत्ता में नहीं आई है; लेकिन वामपंथियों ने कांग्रेस को सत्ता से छीन लिया और ममता ने वाम की सत्ता को चकनाचूर कर दिया। पिछले 15 वर्षों में, कांग्रेस और वाम कमजोर हो गए हैं और उनकी जगह भाजपा ने ले ली है। कांग्रेस अब शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाम मोर्चा पिछले विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत, भाजपा 41 प्रतिशत वोट और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की संख्या 2019 की तुलना में कम थी। हालांकि, उनके 39 प्रतिशत वोट शेयर और 12 सीटें दर्शाती हैं कि उनके पास राज्य में तृणमूल कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प है। ममता को शुरू में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट का समर्थन मिला था, जिसमें 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं।

ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2021 का चुनाव उसी आत्मविश्वास के साथ लड़ा था, जो तृणमूल कांग्रेस से पीछे रह गया था। पश्चिम बंगाल में 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल काफी बदल गया है। पड़ोसी बांग्लादेश की घटनाओं ने पूरे देश को प्रभावित किया। प्रभावित। पश्चिम बंगाल में लगभग 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तृणमूल कांग्रेस की ताकत हैं और भाजपा विरोधी, वामपंथी मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा तृणमूल कांग्रेस की ताकत है। सत्ता परिवर्तन तभी संभव है जब मुस्लिम वोट बैंक को झटका लगे या भाजपा के पक्ष में हिंदू वोट का व्यापक ध्रुवीकरण हो। पिछले कुछ वर्षों में, वाम मोर्चे और बाद में ममता बनर्जी सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ पश्चिम बंगाल के बाहर के घुसपैठियों के 24 परगना क्षेत्रों में वितरित आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की घुसपैठ में पाई गई है यह साबित हो चुका है।

हाल ही में शाह ने कहा था कि पश्चिम बंगाल के चारों ओर घेराबंदी की जाएगी ताकि कोई घुसपैठिया अंदर न आ सके। सवाल यह है कि पिछले दस सालों में किसने उनके हाथ बांधे थे। लेकिन शाह घुसपैठियों को रोकने की कोशिश करने के बजाय सीमा पर बाड़ लगाने में ममता को चित्रित करने में अधिक रुचि रखते हैं। मुस्लिम वोटों को मजबूत करने की कोशिश में, ममता वही कदम उठाती दिख रही हैं जिनका वह वामपंथी शासन के दौरान विरोध करती थीं। विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और बांग्लादेश में बढ़ते चरमपंथ ने हिंदू मतदाताओं को पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस पृष्ठभूमि में हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखी। हर शुक्रवार को वहां सामूहिक सभा और भारी मात्रा में धन की आमद ने हिंदू मतदाताओं के बीच पुनर्विचार की भावना पैदा की है। दूसरी ओर, ममता मुस्लिम वोटों के विभाजन का शिकार होंगी। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता ने खुद को धर्मनिष्ठ हिंदू के रूप में पेश करने के लिए मंच से चंडी मठ का पाठ किया था। इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि वह चुनाव से पहले सिलीगुड़ी में दुर्गा आंगन और महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा करेंगी।इसलिए आंशिक ध्रुवीकरण की रणनीति ममता बनर्जी द्वारा अपनाई जा रही है। ममता सरकार के दौरान सामने आए राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार के मामले, विपक्ष का दमन, आरजी कार मेडिकल कॉलेज से लेकर संदेशखली तक महिलाओं के शोषण के आरोप, मुस्लिम कट्टरवाद को बढ़ावा देना, बेरोजगारी, पलायन और धीमी ग्रोथ ये सभी मुद्दे तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जा रहे हैं। नतीजतन, भाजपा इस बार उन्हें चुनौती देने के लिए तैयार नजर आ रही है।

इसके साथ ही ममता बनर्जी के शासनकाल में राष्ट्रपति शासन की आशंका बार-बार इसलिए उभरती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज सत्ता और विपक्ष के संघर्ष से आगे बढ़कर संवैधानिक संस्थाओं के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुकी है। ममता बनर्जी का शासन विवादों, टकरावों और आरोपों से घिरा रहा। फिर भी, ममता बनर्जी को मिला प्रचंड जनादेश मिला। और खास बात यह की इतनी टकराव के बाद भी अभी तक ममता बनर्जी के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में एक बार भी राष्ट्रपति शासन नहीं लगा। हालिया विवाद में भी यही लग रहा कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन सिर्फ एक राजनीतिक आशंका भर है। राष्ट्रपति शासन लगाने का निर्णय शायद ही हो पाए।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक
एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

खरगोन गौरव दिवस पर दिखी कथक की शानदार झलक, 50 से अधिक व्यक्तियों को मिला सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● दो दिवसीय नगर गौरव दिवस का देर रात समापन हो गया। इस आयोजन में 5000 से अधिक लोग शामिल हुए। विभिन्न क्षेत्रों में नगर का गौरव बढ़ाने वाले 50 से अधिक व्यक्तियों को 'नगर गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महाराष्ट्र का लावणी और कथक नृत्य रहा। राजस्व प्रभारी महेश वर्मा ने बताया कि रात 10 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुए, जिसमें महाराष्ट्र की लावणी टीम और कथक नृत्यांगना गौरी देशमुख ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद नगर गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह से पहले कुंदा नदी की भव्य आरती की गई, जिसके बाद शानदार आतिशबाजी हुई। इस आरती में विधायक बालकृष्ण पाटीदार, नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी समेत जनप्रतिनिधि शामिल हुए। दो दिवसीय नगर गौरव दिवस के लिए कुंदा नदी की विशेष सफाई कराई गई थी। नदी में नए फव्वारे लगाए गए थे और घाट क्षेत्र को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया था।

टंट्या मामा मूर्ति को लेकर कांग्रेस का धरना कल

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● नगर पालिका परिषद द्वारा टंट्या मामा की प्रतिमा स्थापना में हुई लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस ने जांच के नाम पर लीपापोती का आरोप लगाया है। कांग्रेस का कहना है कि मामले में केवल दो इंजीनियरों को नोटिस देकर और प्रतिमा सप्लाई करने वाली फर्म को ब्लैकलिस्ट कर बड़े जिम्मेदारों को बचाया जा रहा है। इन्हीं मुद्दों को लेकर कांग्रेस 17 जनवरी को बिस्टान नाका क्षेत्र में लगी प्रतिमा के पास दोपहर 12 बजे धरना प्रदर्शन करेगी। धरने में वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर मां अहिल्या देवी की प्रतिमा तोड़े जाने और इंदौर में दूषित पानी से हो रही मौतों के विरोध का मुद्दा भी शामिल रहेगा।

550 करोड़ की सिंचाई योजना में भ्रष्टाचार का आरोप, किसानों ने निकाली ट्रैक्टर रैली

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जावर-सिहाड़ा उद्वहन सिंचाई योजना में भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए क्षेत्र के किसानों का आक्रोश शुक्रवार को सड़कों पर दिखाई दिया। किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया और संबंधित कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। किसानों का आरोप है कि साल 2017 में सरकार द्वारा स्वीकृत जावर-सिहाड़ा उद्वहन सिंचाई योजना की लागत करीब 550 करोड़ रुपए है। इस योजना का टेंडर जीवीपीआर कंपनी को दिया गया था। योजना के तहत सिहाड़ा-जावर क्षेत्र के गांवों की करीब 26 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा से जोड़ना था। किसानों का

कहना है कि कंपनी और उसके पेटी कॉन्ट्रेक्टरों की मिलीभगत से पाइपलाइन डालने का कार्य मानकों के अनुरूप नहीं किया गया। जगह-जगह पाइप लाइन में खामियां हैं, जिसके कारण योजना का लाभ किसानों तक नहीं पहुंच सका। इससे खेती पूरी तरह प्रभावित हो रही है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस मुद्दे को लेकर ग्राम भकराड़ा, जावर सहित आसपास के गांवों के किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली। रैली पुलिस थाना जावर पहुंची, जहां किसानों ने थाना प्रभारी श्याम सिंह भादले को ज्ञापन सौंपकर कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी के तहत मामला दर्ज करने और जांच समिति गठित करने की मांग की। किसानों का कहना है कि, वे पूरी तरह कृषि पर निर्भर हैं और इस योजना से उन्हें बड़ी उम्मीदें थीं। खेतों में पानी पहुंचेगा और खेती में सुधार होगा, लेकिन भ्रष्टाचार के कारण किसानों के साथ धोखा हुआ है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कंपनी और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस आदिवासी-दलित विरोधी; वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया - छाया मोरे

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● कांग्रेस विधायक फूलसिंह बरैया के अनुसूचित जाति-जनजाति समाज को लेकर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान ने मध्यप्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है। एससी-एसटी वर्ग के जनप्रतिनिधियों की तुलना 'कुत्ते जैसी स्थिति' से करने और आदिवासियों को हिंदू न बनने की सलाह देने वाले बयान पर पंधाना से बीजेपी विधायक छाया मोरे ने विरोध दर्ज कराया है। बीजेपी विधायक छाया मोरे ने कहा कि यह केवल जुबान फिसलने का मामला नहीं है, बल्कि कांग्रेस की आदिवासी और दलित विरोधी मानसिकता का खुला प्रमाण है। एससी-एसटी समाज के विधायक और सांसद जनता के लोकतांत्रिक मत से चुनकर आते हैं और इस तरह की टिप्पणी पूरे समाज का अपमान है। देश के सर्वोच्च पद पर बीजेपी ने अनुसूचित जाति वर्ग से रामनाथ कोविंद और वर्तमान में जनजातीय समाज से द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया। इसके अलावा मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी आदिवासी समाज से आते हैं, ऐसा सम्मान कांग्रेस कभी नहीं दे पाई। कांग्रेस विधायक के आदिवासियों को हिंदू न बनने संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए छाया मोरे ने कहा कि आदिवासी समाज भारत का मूल निवासी है और सदियों से भगवान राम, भगवान कृष्ण और बजरंगबली की पूजा करता आ रहा है।

खंडवा-इंदौर मार्ग पर 7 दिन भारी वाहनों की एंट्री बंद, नर्मदा जयंती स्पेशल ट्रैफिक प्लान

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●नर्मदा जयंती पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने खंडवा-इंदौर मार्ग पर भारी वाहनों के संचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध 19 जनवरी की सुबह 6 बजे से 25 जनवरी की रात 12 बजे तक प्रभावशील रहेगा। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि 25 जनवरी को नर्मदा जयंती के अवसर पर ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग दर्शन और नर्मदा स्नान के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना रहती है। खंडवा-इंदौर मार्ग जिले का अत्यंत व्यस्त मार्ग है, जहां भारी और हल्के वाहनों का आवागमन होता है। श्रद्धालुओं की निर्बाध आवाजाही, सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। प्रशासन द्वारा भारी मालवाहक वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किए गए हैं। बुरहानपुर की ओर से खंडवा जिले में प्रवेश करने वाले भारी वाहन ग्राम देशगांव से खरगोन की ओर कसरावद, खलघाट, महू होते हुए इंदौर की ओर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। इसी प्रकार, इंदौर से चलने वाले भारी वाहन महू से खलघाट, कसरावद, खरगोन होते हुए भीकनगांव मार्ग से देशगांव के रास्ते खंडवा-बुरहानपुर की ओर जाएंगे।

वन विभाग के अनुभूति कैंप का समापन, विधायक ने बच्चों को औषधीय पौधों की दी जानकारी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● वन मंडल के शाहपुर वन परिक्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय अनुभूति कैंप का गुरुवार को समापन हो गया। वन विभाग और मध्य प्रदेश इको पर्यटन विकास बोर्ड के तत्वावधान में हुए इस कैंप में 135 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। यह कैंप शाहपुर की बीट चौण्डी के कक्ष क्रमांक 428 में डीएफओ विद्याभूषण सिंह बुरहानपुर के निर्देशन में आयोजित किया गया था। इस अनुभूति कैंप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भावसा, खामनी, शासकीय सीएम राईज विद्यालय शाहपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाहपुर, शासकीय हाईस्कूल मोहद और शासकीय हाईस्कूल बंभाडा के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के दौरान बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनिस ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों को प्रकृति के महत्व और आयुर्वेद के अनुसार जीवन शैली के बारे में जागरूक किया। प्रकृति की रक्षा के संबंध में कविताएं दोहराई गईं और नारे भी लगवाए

गए। वन भ्रमण के दौरान वन मंडल अधिकारी विद्याभूषण सिंह और उप वन मंडल अधिकारी अजय सागर ने विद्यार्थियों को पारिस्थितिकीय तंत्र और वन्य जीवों के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मप्र के राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों और टाइगर रिजर्व के बारे में भी बताया। विद्यार्थियों को पक्षी दर्शन भी कराए गए। प्रेरक राहुल तायडे और प्रशांत सालबंदे ने वनों में पाई जाने वाली विभिन्न वृक्ष प्रजातियों, औषधीय पौधों की पहचान कराई और उनके चिकित्सकीय गुणों, वैज्ञानिक नामों तथा पॉलीथिन के उपयोग से होने वाली हानियों के बारे में जानकारी दी।

4 विकासखंडों में रोजगार मेले आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जिले के चार विकासखंडों में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत आज यानी 16 जनवरी से हो रही है, जो 20 जनवरी तक चलेगी। ये मेले बलड़ी, पुनासा, हरसूद और पंधाना विकासखंड में लगाए जाएंगे। सभी रोजगार मेले सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होंगे। इसमें अलग-अलग कंपनियों द्वारा 5वीं पास से लेकर 12वीं पास तक के युवाओं का चयन किया जाएगा।

जिला परियोजना प्रबंधक आनंद स्वरूप शर्मा ने बताया कि मेलों का शेड्यूल निर्धारित कर दिया गया है। 16 जनवरी (आज) को बलड़ी विकासखंड के जनपद पंचायत सभाकक्ष में मेला आयोजित किया जा रहा है। इसके बाद 17 जनवरी को पुनासा विकासखंड की ग्राम पंचायत बांगरदा, 19 जनवरी को हरसूद जनपद पंचायत सभाकक्ष और 20 जनवरी को पंधाना विकासखंड की ग्राम पंचायत गुड़ीखेड़ा में रोजगार मेला लगेगा। केप्सटॉन सिक्योरिटी सर्विसेस हैदराबाद कंपनी में सुरक्षा गार्ड और सुपरवाइजर पद के लिए भर्ती की जाएगी। इसके लिए आयु सीमा 18 से 37 वर्ष तय की गई है। 10वीं से 12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इन पदों पर चयनित उम्मीदवारों का मानदेय 16 हजार से 22 हजार रुपए प्रतिमाह रहेगा।

वाशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हुए

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी20 मैचों की सीरीज से पहले वाशिंगटन सुंदर एकदिवसीय के बाद अब टी20 सीरीज से भी बाहर हो गये है। सुंदर को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। इस कारण वह दूसरे और तीसरे एकदिवसीय से भी बाहर हो गये थे। वहीं अब वह टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार वह अभी तक पसली की चोट से नहीं उबर पाये हैं। वडोदरा में एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के दौरान ही उन्हें ये चोट लगी थी। अभी ये तय नहीं है कि सुंदर टी20 विश्व कप 2026 में खेल पायेंगे या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर में शुरु हो रही है। वहीं विश्वकप अगले माह 7 फरवरी से

खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार सुंदर का अभी ठीक होने में समय लगेगा। अभी ये पता नहीं चला है कि वह टी20 विश्व कप से पहले पूरी तहर से ठीक हो पाएंगे या नहीं। वह शनिवार को रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में पहुंचेंगे। उसी के बाद पता चलेगा कि उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा। सुंदर की जगह आयुष बडोनी को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। बडोनी बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। अब देखना है कि उन्हें टी20 सीरीज में भी जगह मिलती है या नहीं सुंदर के चोटिल होने के साथ ही विश्वकप से पहले टीम को दूसरा झटका लगा है। इससे पहले तिलक वर्मा भी चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। इसके बाद 23 जनवरी को रायपुर में दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी जबकि 28 जनवरी को चौथा मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

शुभमन के बचाव में उतरे अरविंदर सिंह

कोलकाता (एजेंसी) ● गुजरात टाइटंस के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) कर्नल अरविंदर सिंह ने टीम के कप्तान शुभमन गिल का बचाव करते हुए कहा कि टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिलना एक छोटा सा झटका है और उन्होंने इसे स्वीकार किया है। वह अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देंगे। साथ ही कहा कि इस प्रकार के अवसर हर एक खिलाड़ी के जीवन में आते हैं। शुभमन इससे सबक लेते हुए एक बेहतर खिलाड़ी बनेंगे। गौरतलब है कि टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन को पहले टी20 प्रारुप में भी उपकप्तान बनाया गया था पर विश्वकप के ठीक पहले उन्हें बाहर कर दिया गया था। सिंह ने कहा कि शुभमन अब अपने प्रदर्शन से टी20 टीम में वापसी करेंगे। सिंह ने कहा, 'ये छोटे झटके हैं जो किसी भी खिलाड़ी के जीवन में आते हैं। उन्होंने अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है। वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं। और उन्हें जानने के बाद मैं इतना ही कह सकता हूं कि वह और भी बेहतर होकर वापसी करेंगे। गौरतब है कि शुभमन का प्रदर्शन टी20 प्रारुप में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने पिछले 15 मैच में केवल 291 रन ही बनाये है। इसी कारण चयनकर्ताओं ने शीर्ष क्रम में उनकी जगह पर संजू सैमसन को अवसर दिया है। सिंह ने कहा कि शुभमन की क्षमताओं पर किसी को कोई संदेह नहीं है।

पांच फरवरी तक दक्षिण अफ्रीका में अभ्यास करेंगे नीरज

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अभ्यास के लिए दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम गये हैं। खेल मंत्रालय ने मिशन ओलंपिक सेल के नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय इस शिविर को मंजूरी दी है। नीरज ने पिछले सप्ताह ही चेक गणराज्य के जान जेलेजनी के साथ अपना कोचिंग करार तोड़ दिया था। इसके बाद वह कोच के तौर पर जय के साथ जुड़ गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार नीरज पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में ही रहेंगे। गौरतलब है कि टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों के लिए ये योजना शुरु की गयी है ताकि वह बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। अभ्यास शिविर के लिए नीरज के साथ फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी गये हैं। इस अभ्यास सत्र का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं एशियाई खेलों के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खिलाड़ियों की तैयारियों को बेहतर बनाना है। नीरज पिछले साल मांसपेशी में खिंचाव के कारण दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर से अधिक भाला नहीं फेंक पाये थे। अब नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे।

फिल्म 'मर्दानी 3' पुलिस फोर्स को समर्पित है

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म मर्दानी 3 पूरी पुलिस फोर्स को समर्पित है, खासकर उन महिला अधिकारियों को, जो ताकत, करुणा और अडिग ईमानदारी के साथ नेतृत्व करती हैं। यश राज फिल्म्स ने कुछ दिन पहले फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर रिलीज़ किया।हर ओर से ट्रेलर को सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। खासतौर पर रानी मुखर्जी के लिए, जो एक बार फिर अपने बेहद लोकप्रिय किरदार शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापसी कर रही हैं। एक निडर और साहसी पुलिस अधिकारी, जो समय के खिलाफ दौड़ में 93 लापता लड़कियों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल देती है। रानी मुखर्जी ने कहा, 'शिवानी शिवाजी रॉय ऐसा किरदार नहीं है जिसे मैं कैमरा कट होते ही भूल जाऊं। मैं उसे अपने साथ लेकर चलती हूं। क्योंकि उसके ज़रिए मैंने समझा है कि सेवा का असली अर्थ क्या होता है। मैंने यह भी देखा है कि साहस कितना अकेला हो सकता है।

अंगूरी भाभी के किरदार के साथ दोनों ने पूरा न्याय किया : रश्मि देसाई

मुंबई (एजेंसी) ● अंगूरी भाभी के किरदार को पहली बार पहचान दिलाने वाली शिल्पा शिंदे की करीब दस साल बाद 'भाभीजी घर पर हैं 2.0' में वापसी होने की चर्चा चल रही है। अभिनेत्री शिल्पा शिंदे के हालिया बयान कि अंगूरी भाभी हमेशा से वही रही हैं और वह अपनी तुलना किसी से नहीं करतीं, को लेकर सोशल मीडिया से लेकर मनोरंजन जगत तक अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी मुद्दे पर अभिनेत्री रश्मि देसाई ने अपनी राय रखते हुए संतुलित और स्पष्ट नजरिया पेश किया है। एक साक्षात्कार के दौरान रश्मि देसाई ने कहा कि शिल्पा शिंदे और शुभांगी अत्रे दोनों ही बेहतरीन कलाकार हैं और दोनों ने अपने-अपने दौर में अंगूरी भाभी के किरदार के साथ पूरा न्याय किया है। उनके मुताबिक, किसी भी किरदार को निभाने का हर कलाकार का अपना अंदाज और मेहनत होती है, ऐसे में तुलना करना सही नहीं है। रश्मि ने कहा कि अभिनय एक व्यक्तिगत कला है और हर कलाकार अपने अनुभव और समझ के साथ किरदार को अलग रंग देता है। रश्मि देसाई ने यह भी कहा कि शिल्पा शिंदे एक वरिष्ठ और अनुभवी अभिनेत्री हैं, इसलिए उनके बयान को गलत संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी कलाकार की पहचान उसके काम और समर्पण से बनती है, न कि तुलना से। शिल्पा का बयान उनके आत्मविश्वास और उनके लंबे करियर का प्रतिबिंब है, जिसे नकारात्मक रूप से लेने की जरूरत नहीं है।

उज्जैन संभाग

निर्वस्त्र कर डेढ़ किमी तक घुमाया, जेल से छूटने के बाद मां का इलाज कराने आया था पीड़ित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● लड़की भगाने पर 16 वर्षीय लड़के को न केवल बेरहमी से पीटा गया, बल्कि उसे नंगा कर रस्सी से बांध दिया गया। फिर बाजार में करीब डेढ़ किलोमीटर तक घुमाया गया। घटना 15 जनवरी (गुरुवार) की है। इस अमानवीय कृत्य का वीडियो सामने आने के बाद पंवासा पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। यह पूरी घटना प्रेम प्रसंग से जुड़ी बताई जा रही है। आरोपी पक्ष को शक था कि नाबालिग लड़का उनके परिवार की एक लड़की को भगा ले गया है। इसी बात का बदला लेने के लिए भीड़ ने कानून को अपने हाथ में ले लिया। नाबालिग को पकड़कर पहले एक जगह बंधक बनाया गया और फिर सरेआम उसके कपड़े उतारकर उसे अपमानित किया गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह नाबालिग को रस्सी से बांधकर सड़क पर घसीटा जा रहा है। इस दौरान सड़क पर सैकड़ों लोग मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी आगे बढ़कर उसे बचाने की कोशिश नहीं की। लोग मूकदर्शक बनकर तमाशा देखते रहे और मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। पंवासा क्षेत्र में रहने वाला पीड़ित लड़का शुक्रवार को अपनी मां के साथ पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचा। उसने बताया कि शुक्रवार दोपहर लड़की के परिजनों ने उसे पकड़ लिया और पहले जमकर मारपीट की। इसके बाद उसके कपड़े फाड़ दिए। जब इससे भी मन नहीं भरा तो उसके हाथ रस्सी से बांधकर करीब डेढ़ किलोमीटर तक निर्वस्त्र अवस्था में शहर में घुमाया गया।

महाकाल गर्भगृह प्रवेश विवाद गहराया, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष की मांग पर पुजारी संगठनों का विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश को लेकर साधु-संतों और पुजारियों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज द्वारा पुजारियों और उनके प्रतिनिधियों के गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगाने की मांग के बाद अब महाकाल विद्वत परिषद और अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज पुजारियों के समर्थन में सामने आ गए हैं। दोनों संगठनों ने पत्र जारी कर न सिर्फ पुजारियों का पक्ष रखा है, बल्कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

दो दिन पहले अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिला प्रशासन और महाकाल मंदिर प्रशासक को पत्र लिखकर मांग की थी कि महाकाल मंदिर में नियुक्त पुजारियों के प्रतिनिधियों की संख्या की लिखित जानकारी अखाड़ा परिषद को दी जाए। साथ ही उन्होंने शासन द्वारा नियुक्त मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा को छोड़कर अन्य सभी पुजारियों और उनके प्रतिनिधियों के गर्भगृह में प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग की थी। उनका तर्क था कि बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों के प्रवेश से गर्भगृह की मर्यादा भंग होती है और अव्यवस्था फैलती है।

पुजारी संगठनों का पलटवार

इस पत्र के सामने आने के बाद महाकाल विद्वत परिषद और अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने भी संयुक्त रूप से पत्र जारी कर तीखी प्रतिक्रिया दी है। संगठनों ने कहा कि महाकाल मंदिर के नियम मंदिर समिति द्वारा बनाए गए हैं और मंदिर की पवित्रता, ड्रेस कोड तथा गर्भगृह में ले जाने वाली वस्तुओं से जुड़ी परंपराएं प्राचीन और स्थापित हैं। इन नियमों का पालन देश का आम व्यक्ति ही नहीं, बल्कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी करते हैं, तो साधु-संतों को इन नियमों के पालन से अलग क्यों रखा जाए।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद पर सवाल

महाकाल विद्वत परिषद ने अपने पत्र में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर भी सवाल उठाए हैं। परिषद ने पूछा है कि क्या केंद्र या राज्य सरकार ने अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष होने का कोई प्रमाण पत्र रविंद्र पुरी महाराज को दिया है। साथ ही यह भी मांग की गई है कि सरकार और प्रशासन यह जांच करें कि अखाड़ा परिषद में कितने अखाड़ों का समर्थन वास्तव में उन्हें प्राप्त है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि तीन अखाड़ों (रामादल) को परिषद से बाहर किए जाने के बाद अखाड़ा परिषद अधूरी हो गई है।

नए घाटों के पौराणिक नाम रखने की तैयारी, पर सीएम बोल चुके- हर घाट होगा रामघाट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शिप्रा किनारे बनाए जा रहे 29.21 किमी लंबे नए घाटों के नामकरण की तैयारी चल रही है। जहाँ-जहाँ घाट बन रहे हैं, उस क्षेत्र के महत्व व पौराणिकता के आधार पर घाटों के नाम रखे जाएँगे। इसके लिए धार्मिक और धर्मस्व विभाग की टीम ज़रूरी जानकारी जुटाने में लगी हुई है। शिप्रा किनारे के नए घाटों के नामकरण की तैयारी में जुटे अधिकारियों को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि 21 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यह स्पष्ट कर चुके हैं कि सिंहस्थ में हर घाट रामघाट होगा। उन्होंने यह बात जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रामघाट पर श्रमदान करते हुए कही थी।

सिंहस्थ की तैयारियों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा था कि शनि मंदिर से रामघाट, गऊघाट से लालपुर, और मंगलनाथ से रामघाट तक श्रद्धालु नौकायन से आवागमन कर सकेंगे। 29 किमी के नए घाट बनेंगे। शिप्रा का हर घाट रामघाट होगा। श्रद्धालु कहीं भी स्नान करेंगे तो उन्हें उतना ही पुण्य मिलेगा। इन तमाम परिस्थितियों के बीच कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि सिंहस्थ के दौरान सभी घाट रामघाट ही रहेंगे, लेकिन बाकी समय के लिए नए घाटों की पहचान पौराणिक महत्व के आधार पर हो, इसलिए नामकरण भी ज़रूरी है। जल्द ही घाटों के नाम सामने आएँगे: सिंहस्थ 2028 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। चूँकि इस मेले में सर्वाधिक महत्व शिप्रा स्नान का रहता है, ऐसे में शासन स्नान की सुविधाओं में विस्तार के लिए शिप्रा किनारे 29.21 किमी के नए घाटों का निर्माण करवा रहा है, जबकि शिप्रा किनारे करीब 7-8 किमी में पुराने घाट बने हुए हैं, जो कि प्राचीन नामों से जाने जाते हैं। नए घाटों की भी अपनी पहचान व इनके नाम हों, इसके लिए सिंहस्थ मेला कार्यालय ने नामकरण की तैयारी शुरू करवाई है। इसका जिम्मा धार्मिक व धर्मस्व विभाग को दिया है, जो कि इन घाटों के क्षेत्रों के महत्व व वहाँ की पौराणिक स्थिति से जुड़ी जानकारी जुटा रहा है, ताकि क्षेत्र की पहचान, महत्व व पौराणिकता के आधार पर ही घाटों का नाम रखा जा सके।

सांदीपनि चौराहा-उदयन मार्ग चौड़ीकरण का विरोध, रहवासियों-व्यापारियों ने चौराहे पर किया प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●शहर में चल रहे प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण कार्यों के बीच सांदीपनि चौराहा से उदयन मार्ग (विक्रम मार्ग) तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण के विरोध में शुक्रवार को रहवासी और व्यापारी सड़क पर उतर आए। लक्ष्मी नगर चौराहे पर मंच लगाकर विरोध प्रदर्शन किया गया, जहां जमकर नारेबाजी हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी प्रदर्शन में शामिल रहे। नगर निगम द्वारा मार्ग की मार्किंग किए जाने के बाद व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। विरोध के तहत क्षेत्र की अधिकांश दुकानों को बंद रखा गया और प्रतिष्ठानों पर सड़क चौड़ीकरण के विरोध में पोस्टर लगाए गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बिना उचित संवाद और सर्वे के ही कार्रवाई की जा रही है, जिससे रहवासियों और व्यापारियों में असमंजस

और भय का माहौल बन गया है।

निगम के प्रस्ताव के अनुसार सड़क चौड़ीकरण से करीब 26 मकान प्रभावित होंगे, जिनके सामने का लगभग 13 फीट हिस्सा हटाया जा सकता है। साथ ही मार्ग पर स्थित करीब 16 मंदिर भी इसकी जद में आ रहे हैं, जिनके विस्थापन के लिए नगर निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था की बात कही है। निगम के अनुसार जनवरी के अंत या फरवरी की शुरुआत में सड़क चौड़ीकरण कार्य शुरू हो सकता है।

रहवासियों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

प्रदर्शन कर रहे रहवासी दिनेश पाटीदार ने कहा कि सड़क पहले से ही काफी चौड़ी है और यहां सिंहस्थ जैसी भीड़ भी नहीं होती, ऐसे में सड़क चौड़ीकरण की आवश्यकता समझ से परे है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आगे चक्काजाम किया जाएगा। वहीं व्यापारी प्रवीण जैन ने आरोप लगाया कि अब तक कोई विधिवत सर्वे नहीं हुआ है और अधिकारी बार-बार आकर गलत तरीके से नपती कर मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस मार्ग को चौड़ा करने की कोई वास्तविक जरूरत नहीं है।

प्रभावित लोगों से संवाद करें अधिकारी

रहवासियों और व्यापारियों ने नगर निगम से मांग की है कि चौड़ीकरण के निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए और प्रभावित लोगों से संवाद कर उचित समाधान निकाला जाए।

न्यूज ब्रीफ

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और मृतका के पुत्र ने वस्तुस्थिति से कराया अवगत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विभिन्न समाचार पत्रों में 16 जनवरी को प्रकाशित समाचार 'भागीरथपुरा में 24वीं मौत, 78 वर्षीय महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ा', उक्त समाचार के संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए समाचार का खण्डन किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि वस्तु स्थिति यह है कि सुभद्राबाई पति वसंतराव पंवार की मृत्यु उल्टी-दस्त से नहीं हुई है। इसकी पुष्टि मेट्रो अस्पताल प्रबंधन ने भी की है, जहाँ उनका इलाज चल रहा था। आज विभिन्न समाचार पत्रों में सुभद्राबाई पति वसंतराव पंवार की डायरिया से मृत्यु होने का समाचार मृतका के पुत्र डॉ. सतीश पंवार ने समाचार पढ़ी, जो स्वयं एनेस्थीसिया के विशेषज्ञ हैं, ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी को अवगत कराया कि माताजी को पूर्व से हृदय रोग था तथा सीने में दर्द की शिकायत के साथ उन्हें भर्ती कराया गया था।

लिम्बोदी तालाब का होगा 5 करोड से जीर्णोद्धार कार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित मेयर इन कौंसिल की बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 के प्रथम चरण में लगभग 8 हजार आवासीय ईकाईयों के निर्माण हेतु डीपीआर शाासन को भेजने की स्वीकृति, लगभग 60 करोड से अधिक के विकास कार्यो की स्वीकृति, जलप्रदाय एवं सीवरेज संबंधी विकास कार्यो के लिये 1530 करोड के लोन लेने की स्वीकृति, 5 करोड की राशि से लिम्बोदी तालाब के विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य की स्वीकृति, महापौर पास योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग आदि को बस पास में दी जा रही छूट की प्रतिपूर्ति करने के लगभग 3 करोड की राशि देने की स्वीकृति दी गई, मुख्य मार्गो/चौराहो पर स्थित रोटरी, जेब्रा लाईन, डिवाईडर, फुटपाथ, ग्रीन बेल्ट इत्यादी पर पेटिंग्स कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई।

राहुल गांधी के इंदौर दौरे के पहले पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन और जीतू पटवारी की मुलाकात से राजनीति गरमाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन और जीतू पटवारी की मुलाकात ने राजनीतिक हलचल मचा दी है। भागीरथपुरा कांड को लेकर राहुल गांधी के 17 जनवरी के इंदौर दौरे के पहले यह मुलाकात चर्चा में है। हालांकि, यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण बैठक के रूप में बताई गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन से शुक्रवार, 16 जनवरी को मुलाकात की। यह मुलाकात सुमित्रा महाजन के निवास पर हुई है। उनके साथ शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे भी थे।

पटवारी ने मुलाकात को लेकर बताया कि हमने पेयजल को लेकर उनसे मुलाकात की है। यह बात इंदौर के भविष्य की है। एनजीटी बता रहा है कि प्रदेश में 70 प्रतिशत पानी दूषित आ रहा है। ऐसे में हम सभी को मिलकर साफ पानी के लिए बात करना चाहिए। यह बात विरोध की नहीं, बल्कि सभी के सामूहिक तौर से मिलकर काम करने की जरूरत है। पटवारी ने स्पीकर सुमित्रा और राहुल गांधी की मुलाकात की संभावना पर कहा कि हम सभी उनका सम्मान करते हैं। खुद राहुल भी उनका सम्मान करते हैं।

ताई ने कहा विरोध में ताकत से लड़ना चाहिए-वहीं, ताई सुमित्रा महाजन ने मुलाकात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि जीतू पटवारी कई सालों से मुलाकात के लिए आते रहे हैं, अच्छा काम कर रहे हैं। बात विरोध की नहीं है। हमने कहा कि इंदौर में कई संस्थाएं पेयजल पर काम कर रही हैं, जानकार हैं। उन सभी से भी मिलकर सामूहिक सुझाव लेना चाहिए। राहुल गांधी से मुलाकात पर कहा कि इस संबंध में किसी ने मुझसे कोई चर्चा नहीं की है। साथ ही, ना ही जीतू पटवारी ने इस पर बात की है। राहुल का आना अच्छी बात है। विरोधी पक्ष का काम है विरोध करना, प्रजातंत्र में वह करना चाहिए और ताकत से करना चाहिए। अच्छे से करना चाहिए। हम भी विरोध की लड़ाई लड़ते हुए यहां आए हैं। इससे जनता में विश्वास जगता है।

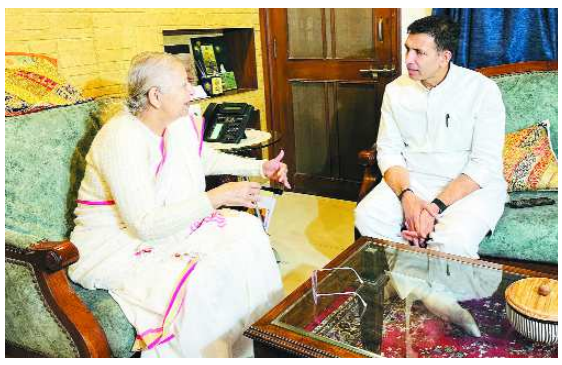

जानें क्या है इंदौर का भागीरथपुरा कांड?

इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दिसंबर 2025 के आखिरी दिनों में दूषित पानी की वजह से एक बड़ा स्वास्थ्य संकट सामने आया। दरअसल, नर्मदा जल की पाइपलाइन में सीवेज और ड्रेनेज लाइन का पानी मिल गया था। इससे फीकल कोलिफॉर्म और ई-कोलाई जैसे खतरनाक बैक्टीरिया फैल गए। इसके अलावा, इलाके के बोरवेल का गंदा पानी नर्मदा की पाइपलाइन में घुसकर पीने के पानी को जहरीला बना रहा था। इस वजह से उल्टी और दस्त जैसी बीमारियां फैल गईं, और 3500 से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हुए। इसे भागीरथपुरा में दूषित पानी की घटना के मुख्य कारण के तौर पर बताया जा रहा है। भागीरथपुरा में अभी तक 34631 घरों का सर्वे किया है। अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं। एक 6 महीने का बच्चा भी इस संकट का शिकार हो गया। 441 लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं। इनमें से 423 को छुट्टी मिल गई है।

वहीं, अभी भी 17 लोग इलाज करा रहे हैं। इसमें से 11 वार्ड में और 6 आईसीयू में है। अब तक (जनवरी 2026 तक) भागीरथपुरा इलाके में नए मरीज निकल रहे हैं।

नहीं दी है प्रशासन ने आयोजन की मंजूरी

वहीं पटवारी ने मीडिया को बताया कि राहुल के साथ बुद्धिजीवियों, पत्रकारों और जानकारों का भी एक आयोजन था। वहीं, प्रशासन ने मंजूरी नहीं दी है। हमारे कई आयोजनों पर रोक लगाई गई है। प्रशासन से बात जारी है। राहुल गांधी के इंदौर आने से पहले पटवारी की यह मुलाकात राजनीतिक हलचल मचाने वाली है। वहीं, ताई और भाई (मंत्री गुट) की दूरियां रही हैं। ऐसे में इसे भी पटवारी ने हवा दे दी है। पटवारी बताना चाहते हैं कि यह विरोध की राजनीति नहीं बल्कि जनहित की राजनीति है। वह और कांग्रेस आमजन के मुद्दे उठा रही है। इसके लिए बीजेपी को भी साथ ले रहे हैं और सभी के सुझाव ले रहे हैं। साफ पानी घर-घर का मुद्दा है। ऐसे में कांग्रेस इसे फिर से अपनी राजनीतिक धरातल मजबूत करने के मुद्दे के रूप में देख रही है। इसलिए ही राहुल गांधी भी आ रहे हैं।

अब आगे क्या?

राहुल गांधी के दौरे पर सभी की नजरें हैं। हालांकि दौरा बहुत ही संक्षिप्त है, लेकिन इससे यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर फिर से चर्चा में आएगा। कुल मिलाकर कांग्रेस जनहित के मुद्दे को हाथ से नहीं जाने देना चाहती है। इसलिए यह मुद्दा वह लगातार उठाती रहेगी, तय है कि अगले बजट सत्र के दौरान विधानसभा में भी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार इस पर सरकार को घेरेंगे।

पेयजल त्रासदी : मौत के आंकड़े और मुआवजे पर उमंग सिंघार की सरकार को खरी-खरी

मौतें कम गिन लेने से दर्द कम नहीं होता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दूषित पानी से हुई मौतों के मामले में सरकारी बयान और जमीनी हकीकत में भारी अंतर है। एक तरफ सरकार 21 मृतकों को मुआवज़ा देने की बात कर रही है, वहीं अदालत में मुख्य सचिव ने सिर्फ 15 मौतों की जानकारी दी है, जबकि स्थानीय लोग और विपक्ष 24 मौतों का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'भाजपा के लिए ये मौतें इंसान नहीं, सिर्फ आँकड़े हैं।'

उमंग सिंघार ने इंदौर के भागीरथपुरा जल त्रासदी को लेकर एक बार फिर सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार और प्रशासन जनता को गुमराह कर रहे हैं और मौतों की वास्तविक संख्या को कम दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले भी वो सरकार से सवाल करते हुए इस मामले में जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने की मांग कर चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि सरकार

दावा कर रही है कि 21 मृतकों को मुआवज़ा दिया गया है, जबकि अदालत में मुख्य सचिव ने कहा कि सिर्फ 15 मौतें हुई हैं। वही स्थानीय लोग और विपक्ष का दावा है कि मरने वालों की वास्तविक संख्या 24 है, और इससे अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन मरने वालों की संख्या कम दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

उमंग सिंघार ने बीजेपी को घेरा-उमंग सिंघार ने आरोप लगाया है कि इंदौर जल त्रासदी मामले में सरकार मौतों की संख्या को कम करके दिखा रही है। उन्होंने कहा है कि 'सरकार कह रही है 21 लोगों को मुआवज़ा दिया। जबकि कोर्ट में सीएस कह रहे हैं कि 15 मौतें हुईं। लेकिन पूरा प्रदेश जानता है कि इंदौर जल कांड में 24 लोगों की जान गई। 24 परिवार उजड़ गए।'

प्रदेश सरकार से किए सवाल-कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के उस बयान पर भी सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा था कि 'आँकड़ों पर मत जाइए'। सिंघार ने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कि 'भाजपा के लिए ये मौतें इंसान नहीं, सिर्फ आँकड़े हैं। मौतें कम गिन लेने से दर्द कम नहीं होता। आँकड़े बदलने से सच नहीं बदलता।' उमंग सिंघार ने कहा कि यह प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर इन 24 मौतों की ज़िम्मेदारी कौन लेगा। बता दें कि कि कांग्रेस इस मामले को लेकर लगातार सरकार पर हमलावर है। एक दिन पहले भी उमंग सिंघार ने इस मामले पर सरकार को घेरते हुए कहा था कि बीजेपी प्रदेश में साफ पेयजल मुहैया कराने में असफल रही है। इसी के साथ उन्होंने जनता से अपील की थी कि जब तक उन्हें स्वच्छ पानी उपलब्ध न हो वो टैक्स और बिल न दें और खुद वॉटर ऑडिट करें।

महापौर ने खुद पानी पीकर दूर किया लोगों का खौफ

आखिरकार भागीरथपुरा में नलों से टपकी 'राहत'

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी के कहर के बाद अब जनजीवन पटरी पर लौटने लगा है. मौत और बीमारी के साए में जी रहे इस इलाके के लिए शुक्रवार की सुबह राहत भरी खबर लेकर आई। नगर निगम ने दावा किया है कि कड़ी मशक्कत के बाद क्षेत्र के लगभग 30 प्रतिशत हिस्से में पानी की सप्लाई बहाल कर दी है। कई दिनों के इंतजार के बाद जब नलों में पानी टपका, तो लोगों के चेहरों पर डर और राहत के मिले-जुले भाव नजर आए।

सप्लाई शुरू होते ही इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। दूषित पानी को लेकर लोगों के मन में जो खौफ बैठ गया था, उसे दूर करने के लिए महापौर ने एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने मौके पर ही पानी की शुद्धता जांची और जनता के सामने खुद नल का पानी पीकर यह भरोसा दिलाया कि अब सप्लाई किया जा रहा पानी पूरी तरह सुरक्षित है। यह दृश्य उन रहवासियों के लिए किसी बड़ी तसल्ली से कम नहीं था, जिन्होंने पिछले दिनों अपने करीबियों को खोया है. महापौर ने स्पष्ट किया कि पानी की सप्लाई हवा में शुरू नहीं की गई है, बल्कि नगर निगम की टीम ने लैब में पानी की सघन टेस्टिंग की है।

लाइन सुधार का बड़ा मिशन जारी

भागीरथपुरा की गलियों में फिलहाल काम थमा नहीं है. महापौर ने बताया कि अब तक केवल 30 प्रतिशत काम ही पूरा हुआ है, जिसके आधार पर आंशिक सप्लाई शुरू की गई है। शेष 70 प्रतिशत क्षेत्र में पुरानी और जर्जर पाइपलाइनों को बदलने या सुधारने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। नगर निगम का अमला उन सभी ड्रेनेज मिक्सिंग पॉइंट को खत्म करने में जुटा है, जो इस त्रासदी की मुख्य वजह बने थे. माना जा रहा है कि अगले कुछ ही दिनों में पूरे क्षेत्र में शुद्ध पानी पहुंचने लगेगा।

हेल्पलाइन पर रोज 300 कॉल

बोर्ड परीक्षा का डर... स्टूडेंट पूछ रहे क्या और कैसे पढ़ें, पैरेंट्स ले रहे सोशल मीडिया की लत छुड़वाने के टिप्स

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मैंने हिंदी की जगह संस्कृत लिया था, क्योंकि इसमें लिखना कम पड़ता था और चॉइस भी ज्यादा रहती थी, लेकिन इस साल पैटर्न बदल गया है। प्री-बोर्ड में नया पैटर्न देखकर तनाव में हूं।

क्या पेपर बदलने या पुराने पैटर्न की कोई संभावना है...? यह प्रश्न दसवीं के छात्र ने सीबीएसई हेल्पलाइन पर पूछा। न केवल सीबीएसई, बल्कि माशिमं हेल्पलाइन पर भी परीक्षा को लेकर भी स्टूडेंट के कॉल्स लगातार आ रहे हैं। इसमें भी 10वीं के स्टूडेंट के कॉल 12वीं के विद्यार्थियों के मुकाबले अधिक हैं। सबसे अधिक सवाल, बदले परीक्षा स्वरूप, 10वीं में दो परीक्षा के ऑप्शन और साथ ही तनाव कम करने के तरीके को लेकर हैं।

यहां करें संपर्क

- सीबीएसई हेल्पलाइन : 1800-11-8004
- माशिमं हेल्पलाइन : 1800-233-0175
- किशोर काउंसलिंग के लिए वंद्रेवाला फाउंडेशन : 9999666555
- चाइल्ड हेल्प. : 1098

हेल्पलाइन पर रोज औसत 300 कॉल्स दर्ज किए जा रहे हैं। बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में शुरू होने वाली हैं।

पेरेंट्स की समस्या सोशल मीडिया

हेल्पलाइन पर अभिभावक भी कॉल कर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी शिकायत बच्चों के सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने को लेकर है। इसकी लत छुड़वाने के टिप्स लेने के लिए अभिभावक कॉल कर रहे हैं। इसके अलावा डाइट प्लान और बच्चों के लिए समय प्रबंधन संबंधी टिप्स भी अभिभावक ले रहे हैं।

एक्सपर्ट व्यू : बच्चों के साथ रहे

काउंसलर दिव्या दुबे मिश्रा बताती है कि बीते कुछ सालों में यह देखने में आ रहा है कि बच्चे खुद ही अपने आप को कॉम्पिटिशन में झोंक रहे हैं। वो टॉपर की श्रेणी में आना और पॉपुलैरिटी चाहते हैं, लेकिन उस स्तर की उनकी तैयारी नहीं है। इससे तनाव व अवसाद की स्थिति पैदा हो रही है। अभिभावक भी बच्चों पर अधिक दबाव न डालें, बच्चों के साथ रहें और उनके बिहेवियर में बदलाव आता है तो उनसे बात करें और उनकी बात को ध्यान से सुनें।

सवाल और जवाब

बदले पेपर पैटर्न से डर लग रहा है क्या करू?

- सैंपल पेपर को फॉलो करें, अपनी अंतिम तैयारी इसी के आधार पर करें। डरें नहीं, बल्कि सेंटेंस बनाने की प्रैक्टिस करें।

समय कम बचा है समझ नहीं आ रहा कि क्या पढ़े ?

- तनाव न लें, जो आपने पढ़ा है उसे अच्छे से रिवाइज करें। शॉर्ट नोट्स की मदद से ज्यादा टॉपिक को कवर करें।

फैमिली प्रेशर में स्टैंडर्ड मैथ्स ले लिया है। अब डर लग रहा है?

- जी, इसमें स्टैंडर्ड क्वेश्चन पूछे जाते हैं, लेकिन पेपर का मुश्किल या ईजी होना आपकी प्रैक्टिस पर निर्भर करता है।

वीरान शिवाजी मार्केट कॉम्प्लेक्स चढ़ेगा मेट्रो स्टेशन की भेंट

44 गेंट्री और 3 फुट ओवरब्रिज पर विज्ञापनों की देंगे अनुमति

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सालों से अनुपयोगी पड़े शिवाजी मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स को जल्द ही जमींदोज कर दिया जाएगा और यहां पर मेट्रो स्टेशन निर्मित होगा। आज दोपहर 3 बजे महापौर परिषद् की बैठक में इससे जुड़ा विषय तो रखा ही गया है, उसके अलावा शहरभर में स्थित 44 गेंट्री और तीन फुट ओवरब्रिज पर भी 5 साल के लिए विज्ञापन लगाने के अधिकार से जुड़े टेंडर बुलाने का निर्णय भी लिया जाएगा। तीन दर्जन प्रस्तावों पर चर्चा के बाद परिषद् में फैसले होंगे, जिसमें नर्मदा के चौथे चरण के लिए 1530 करोड़ रुपए का भारी-भरकम लोन लेने से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद निगम ने 172 डॉग फिडिंग सेंटर बनाने का भी निर्णय लिया है। इसकी भी पुष्टि आज की बैठक में की जाएगी।

भागीरथपुरा कांड के चलते महापौर परिषद् की बैठक भी नहीं हो पाई, जो आज आयोजित की गई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के मुताबिक नर्मदा के चौथे चरण का काम शुरू किया जाना है और अभी दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 800 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इस पूरे प्रोजेक्ट पर 2478 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी, जिसमें से 948 करोड़ रुपए अमृत-2 के तहत निगम को अनुदान के रूप में मिलेंगे। शेष 1530 करोड़ रुपए की राशि के लिए लोन लिया जाना है। इसके अलावा शहर से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों और विकास कार्यों से जुड़े कई विषय आज की बैठक में मंजूरी के लिए रखे गए हैं। कुछ समय पूर्व शहर की विभिन्न सड़कों पर जो गेंट्री बनी है, उसका पुराना ठेका समाप्त हो गया है। लिहाजा इसके साथ ही जो तीन फुट ओवरब्रिज हैं, उस पर भी 5 साल के लिए विज्ञापन के अधिकार ऑनलाइन टेंडर के माध्यम से दिए जाएंगे।

बीआर गोयल पर आईटी छापे से ठेके देने वाले सरकारी विभाग और अधिकारी बैचेन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बीआरजी इन्फ्रास्ट्रक्चर ग्रुप की स्थापना 1986 में हुई थी। फिर यह प्राइवेट कंपनी से 2018 में पब्लिक कंपनी में तब्दील हो गया। इसमें ब्रिज किशोर गोयल चेयरमैन और एमडी हैं। राजेंद्र गोयल, गोपाल गोयल होल टाइम डायरेक्टर, उप्पल गोयल और यश गोयल एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। इनके साथ ही मोहित भंडारी, खुशबू पाटौदी, ब्रिज मोहन माहेशवरी, रविंद्र करोडा ये नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स हैं।

ग्रुप के पास 1423 करोड़ के प्रोजेक्ट-ग्रुप ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि जून 2025 तक उनके पास 1423 करोड़ के प्रोजेक्ट्स के ऑर्डर थे। इन पर काम चल रहा है। ग्रुप के जरिए वित्तीय वर्ष 2025 में 515 करोड़ के राजस्व की कमाई की गई है।

ग्रुप ने नगर निगम, आईडीए, पीडब्ल्यूडी के ये काम किए-ग्रुप ने एमपीआरडीसी भोपाल से कन्नौद रोड का 118 करोड़ का प्रोजेक्ट लिया। रीवा पीडब्ल्यूडी से 107 करोड़ का काम मिला। आईडीए इंदौर से स्कीम 136 में रोड बनाने का काम लिया। पीडब्ल्यूडी जबलपुर से बायपास का काम भी मिला।

इंदौर नगर निगम से जेएनएनयूआरएम का नैनोद प्रोजेक्ट और आईआईटी इंदौर

से भी काम मिला है। साथ ही पीडब्ल्यूडी उज्जैन से जिला कोर्ट का काम भी है।

ठेके देने वाले विभागों के अधिकारी भी लपेटे में तो नहीं-वहीं खबर यह भी है कि बीआरजी ग्रुप पर हाल ही में सर्वे हुआ था। इसके बाद इतनी बड़ी कार्रवाई की वजह हवाला नेटवर्क से मिली अहम जानकारियां हैं। हवाला नेटवर्क पर आयकर विभाग ने हाल ही में बीते दो सालों में कई दबिश दी हैं। इसमें डायरियों पर कई बड़े लेन-देन सामने आए हैं। इसी कड़ी में बीआरजी ग्रुप का नाम भी जुड़ा है। इसकी आंच ठेके देने वाले सरकारी विभागों के अधिकारियों तक भी पहुंचने की बात हो रही है।

लंबे समय से सरकारी ठेकों में कमीशनखोरी के आरोप लगते रहे हैं। इसी राशि के ट्रांजेक्शन की बात हवाला नेटवर्क में आई है। यह भी इस छापे के पीछे एक वजह मानी जा रही है।

हालांकि आयकर विभाग ने अभी तक छापे को लेकर औपचारिक जानकारी नहीं दी है। कार्रवाई अभी भी कई ठिकानों पर एक साथ जारी है।

ग्रुप पर 2014 में भी हुआ था बड़ा छापा-बीआरजी पर यह पहली कार्रवाई नहीं है। साल 2014 में आयकर विभाग ने इंदौर के सभी बड़े ठेकेदारों पर एक साथ छापा मारा था। इसमें बीआरजी के साथ ही पाथ ग्रुप और अन्य थे। इसमें 135 करोड़ रुपए से ज्यादा की अघोषित आय घोषित हुई थी। इसमें एक बड़ी राशि बीआरजी ने भी सरेंडर की थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।